जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:278 दिनांक:19-09-2024 गुरूवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

देश में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव करवाने के लिए एक देश-एक चुनाव प्रस्ताव को बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। बिल शीतकालीन सत्र यानी नवंबर-दिसंबर में संसद में पेश किया जाएगा।

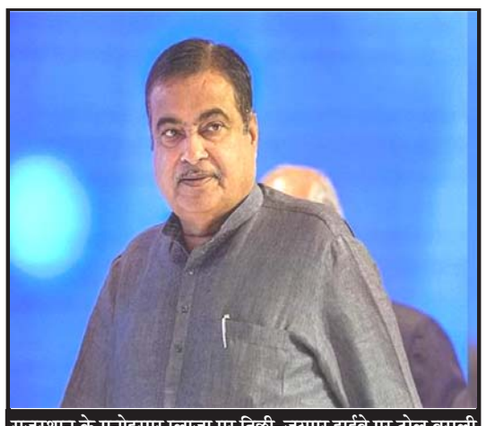

राजस्थान के मनोहरपुर प्लाजा पर दिल्ली-जयपुर हाईवे पर टोल वसूली को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। एक आरटीआई दाखिल होने के बाद सामने आया कि इस हाईवे पर 1900 करोड़ की लागत में बनी सड़क से करीब 8000 करोड़ का टोल वसूला गया है।

एक देश एक चुनाव.....आगे बढ़ी मोदी सरकार, प्रस्ताव स्वीकार

शीतकालीन सत्र में पेश हो सकता है विधेयक, विधानसभा-लोकसभा चुनाव साथ होंगे

एक देश-एक चुनाव के लिए 5 संविधान संसोधन जरूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव करवाने के लिए एक देश-एक चुनाव प्रस्ताव को बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। बिल शीतकालीन सत्र यानी नवंबर-दिसंबर में संसद में पेश किया जाएगा। कैबिनेट मीटिंग के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पहले फेज में विधानसभा और लोकसभा चुनाव साथ होंगे। इसके बाद 100 दिन के भीतर दूसरे फेज में निकाय चुनाव साथ कराए जाएं। लेकिन जानकारों का कहना है कि एक देश-एक चुनाव के लिए संविधान में पांच संसोधन जरूरी हैं। यानी एक देश-एक चुनाव के लिए अनुच्छेद 83, अनुच्छेद 85, अनुच्छेद 172, अनुच्छेद 174 और अनुच्छेद 356 को संसोधित करना पड़ेगा।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने लोकसभा चुनावों के ऐलान से पहले मार्च में यह रिपोर्ट पेश की थी। कैबिनेट के सामने रिपोर्ट पेश करना विधि मंत्रालय के 100 दिवसीय एजेंडे का हिस्सा था। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक राष्ट्र, एक चुनाव पर कोविंद समिति की रिपोर्ट स्वीकार कर लिया है। कोविंद समिति को एक साथ चुनाव कराने के लिए व्यापक समर्थन मिला है। मंत्रिमंडल ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव को मंजूरी दी है। उन्होंने यह भी कहा कि कोविंद समिति की सिफारिशों पर पूरे भारत में विभिन्न मंचों पर चर्चा की जाएगी। बड़ी संख्या में दलों ने एक साथ चुनाव कराने का समर्थन किया है। हम अगले कुछ महीनों में आम सहमति बनाने का प्रयास करेंगे।

उच्च स्तरीय समिति ने पहले चरण के तौर पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की है। इसके 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की बात कही गई है। समिति ने सिफारिशों के क्रियान्वयन पर विचार करने के लिए एक कार्यान्वयन समूह के गठन का भी प्रस्ताव रखा है। समिति के मुताबिक, एक साथ चुनाव कराने से संसाधनों की बचत होगी। विकास और सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा मिलेगा। लोकतांत्रिक ढांचे की नींव मजबूत होगी। इससे इंडिया, जो भारत है की आकांक्षाओं को साकार करने में मदद मिलेगी। जानकारों का कहना है कि एक देश-एक चुनाव के लिए संविधान में भी संसोधन करना पड़ेगा। संविधान में जो संसोधन होंगे उनमें अनुच्छेद 83-संसद के सदनों की अवधि, अनुच्छेद 85-राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा भंग करना, अनुच्छेद 172-राज्य विधानमंडलों की अवधि, अनुच्छेद 174- राज्य विधानमंडलों का विघटन और अनुच्छेद 356-राजरूों में राष्ट्रपति शासन को संसोधित करना पड़ेगा।

17 सितंबर को गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि सरकार इसी कार्यकाल में वन नेशन वन इलेक्शन लागू करेगी। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री ने कहा था कि बार-बार चुनाव देश की प्रगति में बाधा पैदा कर रहे हैं। वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार के लिए बनाई गई पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी ने 14 मार्च को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। रिपोर्ट 18 हजार 626 पन्नों की है। पैनल 2 सितंबर 2023 को बनाया गया था। यह रिपोर्ट स्टेकहोल्डर्स-एक्सपर्ट्स से चर्चा के बाद 191 दिन की रिसर्च का नतीजा है। कमेटी ने सभी विधानसभाओं का कार्यकाल 2029 तक करने का सुझाव दिया है।

समिति ने राज्य चुनाव अधिकारियों के परामर्श से चुनाव आयोग की ओर से एक समान मतदाता सूची और मतदाता पहचान पत्र तैयार करने की भी सिफारिश की थी। फिलहाल भारत का चुनाव आयोग लोकसभा और विधानसभा चुनावों को ही देखता है। नगर पालिकाओं और पंचायतों के लिए स्थानीय निकाय चुनाव राज्य चुनाव आयोगों की ओर से कराए जाते हैं। बताया गया कि समिति ने 18 संवैधानिक संशोधनों की सिफारिश की है, जिनमें से अधिकांश को राज्य विधानसभाओं से समर्थन की जरूरत नहीं होगी। हालांकि, इनके लिए कुछ संविधान संशोधन विधेयकों की जरूरत होगी, जिन्हें संसद से पारित कराना होगा।

एकल मतदाता सूची और एकल मतदाता पहचान पत्र के संबंध में कुछ प्रस्तावित परिवर्तनों को कम से कम आधे राज्यों से समर्थन की जरूरत होगी। इसके अलावा विधि आयोग भी जल्द ही एक साथ चुनाव कराने पर अपनी रिपोर्ट लेकर आने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके पूरजोर सथर्मक रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, विधि आयोग सरकार के सभी तीन स्तरों लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और नगर पालिकाओं-पंचायतों जैसे स्थानीय निकायों के लिए 2029 से एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश कर सकता है। त्रिशंकु सदन जैसे मामलों में एकता सरकार (यूनिटी गवर्नमेंट) के प्रावधान की सिफारिश कर सकता है। सभी राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल अगले लोकसभा चुनाव यानी 2029 तक बढ़ाया जाए। हंग असेंबली (किसी को बहुमत नहीं), नो कॉन्फिडेंस मोशन होने पर बाकी 5 साल के कार्यकाल के लिए नए सिरे से चुनाव कराए जा सकते हैं।

आतिशी 21 सितंबर को शपथ ले सकती हैं

-एलजी ने केजरीवाल का इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजा; एक हफ्ते में सरकारी मकान छोड़ेगे अरविंद

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बुधवार को अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को मंजूरी के लिए भेज दिया है। साथ ही उन्होंने नई मुख्यमंत्री आतिशी के शपथ ग्रहण के लिए 21 सितंबर की तारीख का प्रस्ताव भी राष्ट्रपति को भेजा है। इधर, मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे चुके अरविंद केजरीवाल अपना सरकारी आवास छोड़ेंगे। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने बुधवार को कहा कि हमने सुरक्षा को लेकर उनसे कहा कि सरकारी आवास ना छोड़ें, लेकिन वे नहीं माने।

एक दिन पहले 17 सितंबर को आप विधायक दल की मीटिंग में आतिशी को मुख्यमंत्री चुना गया था। इसके बाद केजरीवाल ने शाम को एलजी विनय सक्सेना को अपना इस्तीफा सौंप दिया था।

संजय सिंह ने कहा कि केजरीवाल अपनी सभी सरकारी सुविधाएं छोडऩे जा रहे हैं। हम लोगों को चिंता है। केजरीवाल पर कई बार हमले हो चुके हैं। जब उनके माता-पिता घर में थे, तब भी उन पर हमला हुआ है। अभी यह तय नहीं हुआ है कि केजरीवाल कहां रहेंगे। उन्होंने कहा है कि वे जनता के बीच रहेंगे, जगह अभी तय नहीं है।

भारत का ऑपरेशन सद्भाव.....म्यांमार को 32 टन राहत सामग्री भेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने एक सैन्य परिवहन विमान से म्यांमार को 32 टन राहत सामग्री भेजी है। यह राहत सामग्री तूफान से प्रभावित दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों की सहायता के लिए दो दिन पहले शुरू किए गए ऑपरेशन सद्भाव के तहत भेजी गई। तूफान यागी से म्यांमार, लाओस और वियतनाम के विभिन्न हिस्से भयंकर बाढ़ की चपेट में हैं। भारत पहले ही वियतनाम और लाओस को राहत सामग्री भेज चुका है।

भारत ने आईएनएस सतपुड़ा के द्वारा म्यांमार को राशन, कपड़े और दवाइयों सहित 10 टन सहायता भेजी थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि ऑपरेशन सद्भाव जारी है, भारत ने म्यांमार को सहायता की दूसरी खेप भेजी है। उन्होंने कहा कि वायुसेना का विमान म्यांमार के लोगों के लिए स्वच्छता किट व दवाओं सहित 32 टन राहत सामग्री ले जा रहा है। जायसवाल ने कहा कि नौसेना म्यांमार के लिए अतिरिक्त 10 टन राशन ले जा रही है। ऑपरेशन सद्भाव आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संघ) क्षेत्र में मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) में योगदान के भारत के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। इसके अलावा, भारत ने हाल में पड़े सूखे से निपटने में मदद के लिए नामीबिया को आज 1000 मीट्रिक टन चावल भेजा।

बिहार में महादलित टोला में दबंगों ने 80 घर फूंके

नवादा (ईएमएस)। बिहार के नवादा में महादलित टोला में दबंगों ने बुधवार को फायरिंग करते हुए लगभग 80 घरों में आग लगा दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घटना की जाँच के आदेश दिए हैं।

पूरा मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र का है। इस घटना में कई मवेशी भी जलकर मर गए। पीड़ित ग्रामीणों ने गोलीबारी व मारपीट करने का भी आरोप लगाया है। यह पूरी घटना जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के देदौर कृष्णा नगर की है। नदी किनारे बिहार सरकार की जमीन पर बसे लोगों के घरों को आग के हवाले किया गया है। गांव में आक्रोश व्याप्त हो गया है। घटना की जानकारी मिलने पर फायर बिग्रेड की टीम वहां पहुंची और कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया गया।

एलओसी के नजदीक हेलीपोर्ट बना रहा है चीन

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन अरुणाचल प्रदेश के संवेदनशील फिशटेल इलाके के नजदीक एक हेलीपोर्ट बना रहा है। यह स्थान एलओसी (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) से पूर्व की ओर 20 किमी की दूरी पर है। इस हेलीपोर्ट के बन जाने के बाद चीनी सेना के लिए भारत से लगती सीमा के पास सैन्य साजो-सामान और सैनिकों की आवाजाही आसान हो जाएगी। यह हेलीपोर्ट ग्रागीगाबू क्यू नदी के किनारे बनाया जा रहा है। यह इलाका स्वायत्त क्षेत्र तिब्बत के नाइंगिच प्रांत में आता है।यह चीनी इलाका है और यहां भारत के साथ चीन का कोई विवाद नहीं है।

ईओएस डाटा एनालिटिक्स पर मौजूद सैटेलाइट से ली गई एक तस्वीर से पता चलता है कि जहां हेलीपोर्ट बनाया जा रहा है, वहां एक दिसंबर 2023 तक कोई निर्माण नहीं था।वहीं 31 दिसंबर 2023 की एक सैटेलाइट तस्वीर से पता चलता है कि जमीन को निर्माण के लिए साफ किया जा रहा है। स्पेस टेक्नोलॉजी से जमीन पर नजर रखने वाली संस्था मैक्सर की ओर से 16 सितंबर को ली गई हाई रिजोल्यूशन तस्वीर से पता चलता है कि वहां पर बहुत अधिक निर्माण कार्य किया जा चुका है।

जम्मू-कश्मीर में पहले फेज में 58.19 प्रतिशत मतदान

-किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 77.23 प्रतिशत वोट पड़े

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में पहले फेज के लिए बुधवार शाम 6 बजे वोटिंग खत्म हुई। पहले फेज में 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए मतदान किया गया। शाम 5 बजे तक का मतदान प्रतिशत 58.19 प्रतिशत रहा। फाइनल आंकड़ा आना बाकी है। शाम 5 बजे तक आए आंकड़ों के मुताबिक, किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 77.23 प्रतिशत और पुलवामा में सबसे कम 43.87 प्रतिशत वोटिंग हुई। बिजबिहाड़ा विधानसभा सीट से पीडीपी की प्रत्याशी इल्तिजा मुफ्ती ने वोट डाला, वे पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी हैं। किश्तवाड़ से बीजेपी की कैंडिडेट शगुन परिहार ने भी वोट डाला। शगुन ने आरोप लगाया था कि किश्तवाड़ के बागवान मोहल्ले में बिना पहचान पत्र के वोट डलवाए गए। इसके बाद माहौल गर्म हो गया, जिसके चलते कुछ देर वोटिंग रुकी रही। पहले फेज की वोटिंग को लेकर देश के अलग-अलग राज्यों में रहने वाले 35 हजार से ज्यादा विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने भी वोट डाले। उनके लिए कुल 24 स्पेशल बूथ बनाए गए थे। दिल्ली 4, जम्मू 19 और उधमपुर में 1 बूथ था।

यूपी में मालगाड़ी डिरेल: 27 डिब्बे पटरी से उतरे, रूट पर कई ट्रेनों का संचालन बाधित

मथुरा : मालगाड़ी झांसी से सुंदरगढ़ जा रही थी। मालगाड़ी में कोयला लदा था। हादसे के बाद पटरियों पर कोयला फैल गया है। मथुरा से दिल्ली की तरफ जा रही मालगाड़ी बुधवार रात को पटरी से उतर गई। यह हादसा मथुरा में पिलर संख्या 1408/14 के पास हुआ है। मालगाड़ी के 59 में से 27 डिब्बे डिरेल हुए हैं। स्टेशन डायरेक्टर मथुरा जंक्शन एसके श्रीवास्तव ने भी हादसे की पुष्टि की है। बताया है कि फिलहाल टीम रवाना हुई है। डिब्बे कैसे उतरे इसका कारण अभी पता नहीं चल पाया है। फिलहाल ट्रैक पर कई ट्रेनों का संचालन बाधित हो गया है।

जानकारी के अनुसार, मालगाड़ी झांसी से सुंदरगढ़ जा रही थी। मालगाड़ी में कोयला लदा था। हादसे के बाद पटरियों पर कोयला फैल गया। राजू मीणा, स्टेशन प्रबंधक, कोसीकलां ने बताया कि हजरत निजामुद्दीन से चलकर हैदराबाद जाने वाली तेलंगाना एक्सप्रेस को कोसीकलां रेलवे स्टेशन से वापस हजरत निजामुद्दीन स्टेशन की ओर रवाना कर दिया गया। अब तेलंगाना एक्सप्रेस बदले रूट से हैदराबाद जाएगी। आगरा से दिल्ली जा रही कोयला लदी मालगाड़ी के 17 डिब्बे पटरी से उतर गए। इनमें पांच डिब्बे पलटकर अप रूट पर गिर गए। इससे दोनों ओर का रेल ट्रैक पूरी तरह बाधित हो गया। अप और डाउन रूट की एक दर्जन से अधिक ट्रेनें जहां-तहां रास्ते में ही रोक दी गई हैं। ये घटना वृंदावन रेलवे स्टेशन से आझई के बीच हुई है। कई ट्रेनों का रूट बदला गया है। अचानक वृंदावन रेलवे स्टेशन से आझई के बीच 7.54 बजे मालगाड़ी डिरेल हो गई। मालगाड़ी के 17 डिब्बे पटरी से उतरे। पांच डिब्बे पूरी तरह पलट गए हैं।

लेबनान में फिर सीरियल धमाके, नौ लोगों की मौत, अंतिम संस्कार के समय विस्फोट में कई हताहत

बेरूत (लेबनान): लेबनान में एक दिन पहले पेजर में हुए विस्फोट के बाद आज फिर से सीरियल धमाके हुए हैं। जानकारी के मुताबिक रेडियो सेट जैसे कुछ उपकरणों में आज सिलसिलेवार धमाके हुए हैं, जिसमें अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है।

लेबनान में एक दिन पहले पेजर में हुए विस्फोट के बाद आज फिर से सीरियल धमाके हुए हैं। जानकारी के मुताबिक रेडियो सेट जैसे कुछ उपकरणों में आज सिलसिलेवार धमाके हुए हैं, जिसमें अब तक नौ लोगों की मौत और 300 से अधिक लोग घायल बताएं जा रहे हैं। समाचार एजेंसी एपी के हवाले से आई रिपोर्ट के मुताबिक बेरूत में हिज्बुल्ला सदस्यों और पेजर विस्फोट से मारे गए बच्चे के अंतिम संस्कार के दौरान कई विस्फोट की आवाज सुनी गई। बता दें कि एक दिन पहले लेबनान पेजर में सीरियल धमाकों में 12 लोगों की मौत हुई थी। वहीं इन धमाकों में 2700 से अधिक लोग घायल भी हुए थे।

बेरूत में घटनास्थल पर मौजूद एक एजेंसी के पत्रकारों के अनुसार, हिजबुल्ला के तीन सदस्यों और एक बच्चे के अंतिम संस्कार स्थल पर कई विस्फोट हुए हैं। बता दें कि इन सभी की एक दिन पहले पेजर विस्फोट में मौत हो गई थी। वहीं लेबनान राज्य मीडिया के अनुसार, बेका घाटी के सोहमोर शहर में अज्ञात वायरलेस उपकरणों के विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई है। लेबनान के कई इलाकों में कई विस्फोट हुए हैं, दर्जनों लोगों के घायल होने की भी सूचना है। हिजबुल्लाह की तरफ से इस्तेमाल किए जाने वाले संचार उपकरणों में विस्फोट हुआ। ानकारी के मुताबिक बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में 15 से 20 विस्फोट हुए और दक्षिणी लेबनान में 15 से 20 विस्फोट हुए। लेबनान में आज हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि संचार उपकरण विस्फोट में 300 से अधिक घायल हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने लेबनान में बड़ी संख्या में संचार उपकरणों के फटने की खबरों पर चिंता जताई है।

भारत ने ईरान से पेट्रोल नहीं खरीदा तो खुन्नस खा गए खामेनेई, जहर उगला तो मुंह की खाई

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत ने ईरान से कच्चा तेल नहीं खरीदा तो ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई बौखला गए। उन्होंने मुस्लिमों की आड़ में भारत पर गलत टिप्पणी कर दी। इससे नाराज भारत ने भी उन्हे खूब खरी खरी सुनाई। इस समय भारत ईरान से कच्चा तेल नहीं खरीद रहा है, और इस साल ईरान से तेल आयात फिर से शुरू करने की योजना पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण रद्द कर दी गई थी। इससे नाराज खामेनेई ने हाल ही में भारत में मुसलमानों की स्थिति पर टिप्पणी की है, जिसे भारत ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए अस्वीकार कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अन्य देशों को भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने से पहले अपने खुद के रिकॉर्ड पर ध्यान देना चाहिए।

विशेषज्ञों का मानना है कि खामेनेई का यह बयान भारत के पश्चिम एशिया में इजरायल समर्थक रुख और ईरान से तेल आयात फिर से शुरू करने में देरी को लेकर ईरान की नाराजगी को दर्शाता है। खामेनेई की टिप्पणी ने भारत में राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। उन्होंने भारत में मुसलमानों की स्थिति पर चिंता व्यक्त की है, लेकिन चीन में उइगर मुसलमानों की स्थिति और गाजा पर भारत के हालिया बयानों पर कोई टिप्पणी नहीं की। विदेश मंत्रालय ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि खामेनेई की टिप्पणी गलत और अस्वीकार्य है। मंत्रालय ने यह भी उल्लेख किया कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़े पिछले वर्षों की तुलना में सुधार दिखाते हैं।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, भारत-ईरान द्विपक्षीय व्यापार 2.33 बिलियन डॉलर रहा, जो सालाना आधार पर 21.76 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इस अवधि के दौरान, ईरान को भारत का निर्यात 1.66 बिलियन डॉलर था, जबकि ईरान से भारत का आयात 672.12 मिलियन डॉलर रहा, जिसमें 45.05 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल 2023 से जुलाई 2023) के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 660.70 मिलियन डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 23.32प्रतिशत की कमी को दर्शाता है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत और ईरान के संबंध पिछले कुछ वर्षों में बेहतर हुए हैं, लेकिन ईरान का मानना है कि भारत पश्चिम एशिया में इजरायल का पक्ष ले रहा है और तेल आयात में देरी कर रहा है।

वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने सम्बन्धी याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने हामी भरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक बलात्कार को अपराध घोषित करने की मांग सम्बन्धी याचिकाओं पर सुनवाई के लिए हामी भर दी है। हालांकि तारीख तय नहीं हुई है। लंबे समय से लंबित इस मामले पर वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने जल्द सुनवाई का आग्रह करते हुए कहा कि मामला सुनवाई के लिए अक्सर सूचीबद्ध होता है। लेकिन उस पर सुनवाई नहीं हो पाती। इसकी कोई तारीख तय कर दी जाए।

वहीं अन्य वकील करुणा नंदी ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के नोटिस पर केंद्र ने अभी तक अपना जवाब दाखिल नहीं किया है। प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि यदि केंद्र सरकार जवाब दाखिल नहीं कर रही है तो सरकार कानून के मुद्दे पर बहस करे। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि आज मामला सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। देखते हैं क्या होता है। आखिर में तारीख पर फैसला लेने पर विचार करेंगे। दरअसल याचिकाकर्ता की वकील इंदिरा जयसिंह और करुणा नंदी ने सुप्रीम कोर्ट से इस संवेदनशील मामले में जल्द सुनवाई की मांग की है। क्योंकि इस कृत्य में सजा का प्रावधान नई न्याय संहिता में भी नहीं है। क्योंकि ये कोर्ट में लंबित है।

इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस राजीव शकधर और जस्टिस सी हरिशंकर की खंडपीठ ने खंडित यानी अलग अलग निर्णय सुनाया था। दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस राजीव शकधर और जस्टिस सी हरिशंकर की पीठ ने इस मामले पर विस्तृत सुनवाई कर 11 मई 2022 को निर्णय सुनाया था। जस्टिस राजीव शकधर ने वैवाहिक बलात्कार के अपवाद को रद्द करने का समर्थन किया था। वहीं, जस्टिस सी हरि शंकर ने कहा कि आईपीसी के तहत अपवाद असंवैधानिक नहीं है। ये तो एक बौद्धिक अंतर पर आधारित है। इसके बाद इस मामले की सुनवाई बड़ी पीठ के समक्ष कराए जाने की सिफारिश की गई थी। इस पर साल भर से ज्यादा बीत जाने के बावजूद हाईकोर्ट ने जब कोई निर्णय नहीं लिया तो दिल्ली हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता रही खुशबू सैफी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दिल्ली हाईकोर्ट के खंडित निर्णय को चुनौती दी है।

पीएम मोदी की श्रीनगर में चुनावी रैली आज, पार्टी उम्मीदवारों से करेंगे मुलाकात

श्रीनगर,(ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गुरुवार 19 सितंबर को होने वाली चुनावी रैली से पहले श्रीनगर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 24 विधानसभा क्षेत्रों में बुधवार 18 सितंबर को पूर्ण हो गया। अगले चरण के मतदान से पहले पीएम मोदी चुनावी रैली को संबोधित करने श्रीनगर पहुंच रहे हैं।

सहारा में निवेशकों के लिए राहत भरी खबर, पैसों की वापसी पर सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली :सरकार रिफंड जारी करने से पहले जमाकर्ताओं के दावों की सावधानीपूर्वक जांच कर रही है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद, सहारा समूह की चार बहु-राज्य सहकारी समितियों के वास्तविक जमाकर्ताओं को पैसे लौटाने के लिए 18 जुलाई, 2023 को सीआरसीएस-सहारा रिफंड पोर्टल शुरू किया गया।

सरकार ने सहारा समूह की सहकारी समितियों के छोटे जमाकर्ताओं के लिए धन वापसी की सीमा को 10,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दिया है। सहकारिता मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार ने अब तक सीआरसीएस-सहारा रिफंड पोर्टल के माध्यम से सहारा समूह के सहकारी समितियों के 4.29 लाख से अधिक जमाकर्ताओं को 370 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

अधिकारी ने कहा, ठरिफंड राशि की सीमा बढ़ाकर 50,000 रुपये करने से अगले 10 दिनों में लगभग 1,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा।ठ अधिकारी ने बताया कि पिछले सप्ताह छोटे जमाकर्ताओं के लिए रिफंड राशि की सीमा 10,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दी गई थी। सरकार रिफंड जारी करने से पहले जमाकर्ताओं के दावों की सावधानीपूर्वक जांच कर रही है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद, सहारा समूह की चार बहु-राज्य सहकारी समितियों के वास्तविक जमाकर्ताओं को पैसे लौटाने के लिए 18 जुलाई, 2023 को सीआरसीएस-सहारा रिफंड पोर्टल शुरू किया गया।

ये समितियां हैं - सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, लखनऊ; सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी लिमिटेड, भोपाल; हमारा इंडिया क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, कोलकाता; तथा स्टार्स मल्टीपर्पज कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, हैदराबाद।

29 मार्च, 2023 के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, 19 मई, 2023 को सेबी-सहारा रिफंड खाते से 5,000 करोड़ रुपये की राशि केंद्रीय सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार (सीआरसीएस) को हस्तांतरित की गई। डिजिटल माध्यम से धन के वितरण की निगरानी सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर. सुभाष रेड्डी द्वारा की जा रही है।

जूनियर डॉक्टर्स ने हड़ताल खत्म करने से किया इंकार ममता से फिर मुलाकात की बात

कोलकाता (ईएमएस)। कोलकाता के जूनियर डॉक्टर्स ने हड़ताल को खत्म करने से मना कर दिया है। जूनियर डॉक्टर्स ने सीएम ममता से एक और मीटिंग की मांग करते हुए चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत को ईमेल भेजा है, इसमें कहा गया है कि अभी तक सभी मांगें नहीं मानी गई है।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस को लेकर जूनियर डॉक्टरों ने ममता सरकार से पुलिस कमिश्नर और हेल्थ सचिव को हटाने सहित 5 मांगें की थी। इसके लिए वे 40 दिन से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। 16 सितंबर को जूनियर डॉक्टर और ममता के बीच मीटिंग हुई थी। इसमें ममता ने डॉक्टरों की 5 में से 3मांगें मानली थीं। उन्होंने पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को पद से हटाया था। उनकी जगह मनोज वर्मा को कमिश्नर बनाया गया। इसके बाद मंगलवार देर रात डॉक्टरों ने कहा कि प्रदर्शन जारी रहेगा।

जमीन घोटाला मामले में लालू प्रसाद-तेजस्वी समेत तेज प्रताप को भी समन

पटना, (ईएमएस)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके दोनों बेटे तेजस्वी यादव तथा तेज प्रताप यादव भी जमीन घोटाला मामले में मुश्किल में फंस गए हैं। इस मामले में लालू प्रसाद-तेजस्वी के साथ-साथ तेज प्रताप यादव को भी पहली बार समन भेजा गया है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें 7 अक्टूबर को न्यायालय में पेश होने का निर्देश दिया है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लालू, तेजस्वी समेत अन्य आरोपियों को समन जारी किया है। अखिलेश्वर सिंह और उनकी पत्नी किरण देवी को भी कोर्ट ने तलब किया है। कोर्ट ने कहा कि इस घोटाले में तेज प्रताप यादव की संलिप्तता की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

लालू प्रसाद यादव 2004 से 2009 तक रेल मंत्री रहे। इस दौरान रेलवे के विभिन्न जोन में ग्रुप-डी के पदों पर बिहार के कई लोगों को नौकरियां दी गईं। लालू यादव पर आरोप है कि नौकरी के बदले में संबंधितों ने अपनी जमीन लालू प्रसाद यादव के परिवार और कंपनी एके इंफोसिस्टम को दी थी। कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार में पवन बंसल रेल मंत्री थे, उनके भतीजे विजय सिंगला पर भी घोटाले का आरोप है। इस मामले में सीबीआई ने विजय सिंगलासमेत 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की है।

इस्तीफे के बीच अरविंद केजरीवाल को नया झटका, दो याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली(ईएमएस)।दिल्ली की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की उन दो याचिकाओं को मंगलवार को खारिज कर दिया, जिनमें कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी की ओर से दायर शिकायत पर मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा उन्हें जारी समन को चुनौती दी गई थी।

विशेष न्यायाधीश राकेश स्याल ने केजरीवाल की ओर से दायर पुनरीक्षण याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उनके खिलाफ कार्यवाही के लिए पर्याप्त आधार हैं। बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार शाम को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। इसका ऐलान वह दो दिन पहले ही कर चुके थे। वहीं, आम आदमी पार्टी की ओर से बुलाई गई विधायकों की बैठक में आतिशी को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। आतिशी ने उपराज्यपाल से मिलकर दिल्ली में नई सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया है।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गईं। एक तरफ जहां दिल्ली में मंगलवार को आम आदमी पार्टी की राजनीतिक सरगर्मियां उफान पर रहीं वहीं, दूसरी तरफ पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की दो याचिकाएं कोर्ट ने खारिज कर दी। अपनी याचिकाओं के माध्यम से केजरीवाल ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी की ओर से दायर शिकायत पर मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा उन्हें जारी समन को चुनौती दी थी। केजरीवाल ने मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले के खिलाफ सत्र न्यायालय का रुख किया था। मजिस्ट्रेट अदालत ने ईडी की शिकायत का संज्ञान लेते हुए केजरीवाल को अपने समक्ष पेश होने का निर्देश दिया था। आप नेता ने उन्हें जारी समन की अनदेखी को लेकर ईडी की ओर से दायर दो शिकायतों के बाद मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा जारी समन को सत्र न्यायालय में चुनौती दी थी। ईडी ने मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष शिकायत दायर कर अनुरोध किया था कि कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में केजरीवाल कोजारी कई समन की अनदेखी को लेकर उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाए।

उत्तर प्रदेश के 21 जिलों में बाढ़ , पटना में 21 सितंबर तक स्कूल बंद, मप्र में सामान्य से 10 प्रतिशत ज्यादा बारिश...

नई दिल्ली/भोपाल (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में भारी बारिश की वजह से 21 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। यमुना, घाघरा, शारदा, सरयू नदी खतरे के निशान को पार क

जन हितैषी

पेजर धमाके अर्थात इजराइल-हमास युद्ध का विस्तार

रुस और यूक्रेन के बीच जारी जंग युद्धबंदियों की अदला-बदली से थमती नजर तो आई है, लेकिन इजरायल और हमास के बीच जारी जंग किसी सूरत खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। दरअसल 07 अक्टूबर 2023 को हमास के द्वारा किए गए इजराइल पर हमले के बाद से यह जंग बराबर जारी है। गाजा पट्टी और उसके आस-पास युद्ध का भयावह मंजर लगातार देखने को मिल रहा है। मानवता को मानों जमींदोज कर युद्ध के तमाम नियमों को ताक पर रख, एक-दूसरे पर हमले किए जा रहे हैं। इन हमलों में कौन मर रहा और कौन हताहत हो रहा, इससे भी किसी को मानों कोई सरोकार नहीं रह गया है। युद्ध की विभीषिका में शांति के कपोत भी मारे जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की अपील के बावजूद कहीं से कोई हमलों की कमी होती नजर नहीं आ रही है। हद तो यह है कि हमले ऐसी जगहों पर भी किए गए, जिन्हें बच्चे, बूढ़ों और महिलाओं के रहने और इलाज के लिए चिंहित किया गया था। इन हमलों में संयुक्त राष्ट्र की टीम के साथ काम करने वाले भी अपनी जान गंवाते नजर आए हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इजराइली हमलों में अब तक करीब 42 हजार 957 लोगों की मौत हो चुकी है। मरने वालों में 80फीसदी फिलस्तीनी नागरिक बताए गए हैं। इस युद्ध में सबसे अधिक फिलस्तीन को नुक्सान उठाना पड़ रहा है। ऐसे अंधे युद्ध की चारों ओर निंदा तो हो रही है, लेकिन इस युद्ध को रोका कैसे जाए और किस तरह से न्याय करते हुए कानून का राज लाया जाए कहना मुश्किल हो रहा है। खासतौर पर तब जबकि इजराइल-हमास युद्ध को विस्तार देने वाली ताकतें लगातार सफल होती जा रही हैं। इस कारण गाजा पट्टी व अन्य आस-पास के इलाकों को भी निशाना बनाया जा रहा है। हमले का तरीका नया है, जिससे इस युद्ध में अन्य देशों के शामिल होने के पुख्ता सुबूत भी मिलने लगे हैं।

यहां बताते चलें कि लेबनान और उसके हिजबुल्लाह लड़ाकों पर एक नए तरह से पेजर धमाकों से हमला किया गया है। इसके तहत लेबनान और सीरिया के अनेक शहरों में इस्तेमाल हो रहे हजारों पेजर अचानक धमाकों के साथ फट गए। इसमें एक दर्जन के करीब लोगों की मौत हो गई जबकि हजारों की तादाद में लोग जख्मी हुए हैं। इससे साफ हो गया है कि इजराइल और लेबनान सीमा पर अब हमले और तेज हो जाएंगे। यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि बम की तरह इस्तेमाल किए जाने वाले पेजर बनाने वाली कंपनी को आखिर दुश्मन देश के रणनीतिकारों ने कैसे साध लिया, जो हिजबुल्लाह को धूल चटाने के लिए एक बड़ा हमला करने में कामयाब हो गए। कहा तो यही जा रहा है कि इस हमले के पीछे इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद का हाथ हो सकता है। इसकी पुख्ता वजह भी है, क्योंकि मोसाद पर हमास के हमले के बाद लगातार फेल होने के दाग लगते रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक दुनिया के विशेषज्ञों की मानें तो पेजर एक साधारण रेडियो डिवाइसेस है, जिसे संक्षिप्त संदेश या सिग्नल हासिल करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। रेडियो फ्रिक्वेंसी के जरिए कार्य करने वाले इन पेजरों पर एक्सप्लोसिव का इस्तेमाल करते हुए रिमोट से उड़ाया जा सकता है। इसी आधार पर पेजर को एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया है। सवाल यह है कि पेजर बनाने वाली कंपनी ने इसे हथियार का रुप दिया या किसी और ने ऐसा करके बड़े हमले को अंजाम दिया, यह देखने वाली बात है। वैसे तो शांतिप्रिय विश्व के लिए यह अपनी तरह की पहली विभत्स घटना मानी जा रही है, लेकिन दावा यह भी है कि इजराइल ने इससे पहले भी कंपनियों के प्रोडक्शन लाइन को प्रभावित करने का काम किया है।

दरअसल ईरान को मिसाइल देने वाली कंपनी के मिसाइलों में यूं ही स्टक्सनेट का इस्तेमाल सितंबर 2023 में किया गया था। यह भी सॉफ्टवेयर को प्रभावित करता है और एक बड़ा विस्फोट करने का कारण बनता है। मतलब साफ था कि ईरान मिसाइलें बनाता और जब वह सैन्य डिपो में रखता, तो ये वहीं फट जातीं। तब ईरान ऐसे हमले से खुद को बचाने में कामयाब रहा, लेकिन पेजर मामले में हिजबुल्लाह फंस गया। सेलफोन में आईईडी लगाकर विस्फोट करने के मामले पहले भी हुए हैं, लेकिन पेजर हमला पहली बार हुआ है। इसके दूरगामी परिणामों को देखते हुए ही सबसे पहले पेंटागन ने ऐसे किसी हमले में उसके हाथ होने से साफ इंकार कर दिया है। दरअसल अमेरिका यह बात बहुत अच्छी तरह समझ चुका है कि इस युद्ध की आग अब उसे भी किसी भी पल झुलसा सकती है। इससे पहले कि युद्ध का विस्तार अन्य देशों की शांति को भंग करे, इसे रोकने के पर्याप्त और ईमानदार प्रयास होने ही चाहिए। अंततः युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता है।

आँखे नम हुई निराकार ब्रह्म गणपति की विदाई में

श्री गणेश जी निराकार ब्रह्म हैं जो भक्त के उपकार हेतु एक अलौकिक आकार में स्थापित हैं। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, वह भगवान शिव और देवी पार्वती के पुत्र हैं।गणपति विसर्जन, गणेश चतुर्थी के समापन का प्रतीक है, जब भक्त अपने घरों और सार्वजनिक पंडालों में स्थापित भगवान गणेश की मूर्तियों का विसर्जन करते हैं। यह समारोह गणेश चतुर्थी के अंतिम दिन, जिसे अनंत चतुर्दशी कहा जाता है, बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाया जाता है। विसर्जन का अर्थ है मूर्ति को जल में प्रवाहित करना, जो समुद्र, नदी, तालाब या अन्य जल निकायों में किया जाता है। इस दिन लोग गाजे-बाजे के साथ गणपति बप्पा की मूर्तियों को विसर्जन स्थल तक ले जाते हैं। इसके दौरान गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे गूंजते रहते हैं। विसर्जन से पहले गणेश जी की आरती की जाती है और उनसे अगले वर्ष पुनः लौटने का आह्वान किया जाता है। यह परंपरा गणेश जी के प्रतीकात्मक रूप से अपने लोक में लौटने और सभी भक्तों की बाधाओं कोदूरकरनेकाप्रतीक है।गणेशोत्सव केअंतिम दिन, भक्तों ने भावुकता औरश्रद्धा के साथ गणपति बप्पा को विदाई दी। अनंत चतुर्दशी पर, ढोल-नगाड़ों,गानों और नाच-गाने के साथ बप्पा की मूर्तियों का विसर्जन किया गया।दस दिनों तकयहउत्सव पूरे देश में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, और अनंत चतुर्दशी के दिन इसका समापन गणेश विसर्जन के साथ होता है यह दिन बहुत ही भावुक और महत्वपूर्णहोताहै,क्योंकि भक्त गणपति बप्पा को विदा करते हैं और उनसे अगले वर्ष जल्दी लौटने की प्रार्थना करते हैंहर कोई बप्पा की विदाई के समय ''गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ'' के जयकारे लगाता है, जिससे वातावरण भक्ति और उमंग से भर जाता है पुराणों में उनके 64 अवतारों का वर्णन है। सतयुग में कश्यप व अदिति के यहां महोत्कट विनायक नाम से जन्म लेकर देवांतक और नरांतक का वध किया। त्रेतायुग में उन्होंने उमा के गर्भ जन्म लिया और उनका नाम गुणेश रखा गया। सिंधु नामक दैत्य का विनाश करने के बाद वे मयुरेश्वर नाम से विख्यात हुए। द्वापर में माता पार्वती के यहां पुनःजन्मलियाऔर वे गणेश कहलाए। ऋषि पराशर ने उनका पालन पोषण किया और उन्होंने वेदव्यास के विनय करने पर सशर्तमहाभारतलिखी।उन्हें गजानन इसलिए कहा गया कि उनके सिर को भगवान शंकर ने काट दिया था। बाद में उनके धड़ पर हाथी का सिर लगा कर उन्हें पुनः जीवित किया गया। अग्रपूजक कैसे बने : एक बार देवताओं में धरती की परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई जिसमें जो सबसे पहले परिक्रमा करके आ जाता उसे सर्वश्रेष्ठ माना जाता। प्रतियोगिता प्रारंभ हुई परंतु गणेश जी का वाहन तो मूषक था तब उन्होंने अपनी बुद्धि का प्रयोग किया और उन्होंने अपने माता पिता शिव एवं पार्वती की ही परिक्रमा कर ली। ऐसा करके उन्होंने संपूर्ण ब्रह्माण्ड की ही परिक्रमा कर ली। तब सभी देवों की सर्वसम्मति और ब्रह्माजी की अनुशंसा से उन्हें अग्रपूजक माना गया। इसके पीछे और भी कथाएं हैं। पंच देवोपासना में भगवान गणपति मुख्य हैं।गणेशजी की पसंद का प्रिय भोग मोदक लड्डू, प्रिय पुष्प लाल रंग के फूल, प्रिय वस्तु दुर्वा (दूब), प्रिय वृक्ष शमी-पत्र, केल, केला आदि हैं। केसरिया चंदन, अक्षत, दूर्वा अर्पित कर कपूर जलाकर उनकी पूजा और आरती की जाती है। उनको मोदक का लड्डू अर्पित किया जाता है। उन्हें रक्तवर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं।गणेश चतुर्थी के मौके पर भक्त अपने घर पर बप्पा को लेकर आते हैं। उनकी खूब सेवा करते हैं, जिससे उनका आशीर्वाद और प्यार परिवार पर बना रहे। उसके बाद उनको बहुत ही भारी मन से अलविदा कहना का समय आता है। नदियों या पानी वाली जगह पर प्रतिमा का पूजा-पाठ के साथ विसर्जन होता है। इस दौरान भक्त ढोल-नगाड़ों के साथ उनको अलविदा कहते हैं भगवान गणेश जी का वाहन मूषक है. मूषक बनने की वजह से जुड़ी कई कथाएं प्रचलित हैं:एक कथाकेमुताबिक, गजमुखासुरनाम के असुर से युद्ध के दौरान गणेश जी ने अपने दांत से उस पर वार किया था. गजमुखासुर घबराकर मूषक बनकर भाग गया. गणेश जी ने उसे अपने पाश में बांध लिया और उसे क्षमा मांगने के बाद अपना वाहन बना लिया गणेशजी जल तत्व केअधिपति, बुधवार और चतुर्थी के स्वामी और केतु एवं बुध के ग्रहाधिपति गणेश जी के प्रभु अस्त्र पाश और अंकुश है। वे मूषक वाहन पर सवार रहते हैं। वे एकदन्त और चतुर्बाहु हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमशः पाश,अंकुश,मोदकपात्र तथा वरमुद्रा धारणकरते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीतवस्त्रधारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैंउनकी भुजाएं 6 हैं और रंग श्वेत। द्वापरयुग में उनका वाहन मूषक है और उनकी भुजाएं 4 हैं। इस युग में वे गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं और उनकावर्ण लाल है। कलियुग में उनका वाहन घोड़ा है और वर्ण धूम्रवर्ण है। इनकी 2 भुजाएं हैं और इस युग में उनका नाम धूम्रकेतु है।

'एक देश एक चुनाव' अमृतकाल की अमृत उपलब्धि बने

(लेखक- ललित गर्ग / ईएमएस)

नरेन्द्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने के मौके पर भारतीय जनता पार्टी ने 'एक देश एक चुनाव' के अपने चुनौतीपूर्ण संकल्प को लागू करने की बात कहकर राजनीतिक चर्चा को गरमा दिया है। भारत के लोकतंत्र की मजबूती एवं चुनावी प्रक्रिया को अधिक प्रासंगिक एवं कम खर्चीला बनाने के लिये 'एक देश एक चुनाव' पर चर्चा होती रही है। इसको लेकर भाजपा जिस तरह बेझिझक होकर तेजी से आगे बढ़ रही है, उससे अंदाजा लगाया जा रहा कि केंद्र को सहयोगी दलों का पूरा समर्थन मिल रहा। दो बड़े दलों में से एक जेडीयू ने मोदी के 'एक देश एक चुनाव' वाले इरादे पर सहमति जता दी है। कहा गया कि राजग सरकार अपने वर्तमान कार्यकाल के भीतर इस महत्वपूर्ण चुनाव सुधार को लागू कराने को लेकर आशावादी है और उसके इस आशावाद में देश को एक नई दिशा मिल सकेगी। भारत की वर्तमान चुनावी प्रणाली में निहित कई चुनौतियों का समाधान करने के लिए 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की अवधारणा एक संभावित समाधान के रूप में उभरी है। शासन के सभी स्तरों-पंचायत, नगरपालिका, राज्य और राष्ट्रीय-में एक साथ चुनाव कराने से लागत (खर्च)-प्रभावशीलता और प्रशासनिक दक्षता से लेकर बेहतर शासन और नीति निरंतरता तक कई लाभ मिल सकते हैं। यह नये भारत, सशक्त भारत एवं विकसित भारत के संकल्प को आकार देने का मुख्य आधार बन सकता है एवं आजादी के अमृतकाल की एक अमृत उपलब्धि बनकर सामने आ सकता है।

भले ही स्पष्ट बहुमत के अभाव में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग की तीसरी पारी में बदलावकारी फैसले लेना उतना सहज नहीं रह गया है, जितना पहली-दूसरी पारी में नजर आता था। लेकिन भाजपा की सरकार इतनी भी कमजोर नहीं है कि अपने चुनावी वायदों एवं विकासमूलक कार्ययोजनाओं को लागू न कर सके। नरेन्द्र मोदी जैसा साहसी एवं करिश्माई नेतृत्व है तो उसके द्वारा देशहित की योजनाओं में आने वाले अवरोध वह दूर कर ही लेंगे। एक दशक की विकासमूलक कार्यशैली के बाद अब भी भाजपा अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर अपनी योजनाओं को अंजाम तक पहुंचाने में जुटी है। भले ही भाजपा-सरकार कई मुद्दों पर यू टर्न लेते हुए भी नजर आई। बहरहाल, लोकसभा में पहले के मुकाबले कमजोर स्थिति होने के बावजूद खुद को साहसिक निर्णय लेने वाली पार्टी के रूप में एक बार फिर अपने एक मुख्य एजेंडे 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को आकार देने के लिये तत्पर हो गयी है। इसके लिए सरकार ने पक्ष-विपक्ष के सभी नेताओं से एक साथ आने का अनुरोध किया था। निस्संदेह, एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिये भाजपा द्वारा नई पहल किए जाने के निहितार्थ राजनीति से ज्यादा राष्ट्रहित में है।

निश्चिय ही 'एक देश एक चुनाव' की योजना को लागू करना राजग के लिये बड़ी चुनौती होगी क्योंकि इस बार विपक्ष पहले के मुकाबले मजबूत भी है और एकजुट भी है। इसमें दो राय नहीं कि यह बात तार्किक है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का प्रयास शासन में सुनिश्चितता लाएगा। वहीं बार-बार के चुनाव खर्चीले होते हैं। दूसरे राज्य-दर-राज्य लंबी आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य भी बाधित होते हैं। साथ ही साथ शासन-प्रशासन व सुरक्षा बलों की ऊर्जा के क्षय के अलावा जनशक्ति का अनावश्यक व्यय होता है। विगत लोकसभा चुनावों में कुल सरकारी खर्च 6600 करोड़ रुपये आया था जो भारत जैसे विविधतापूर्ण विशाल देश को देखते हुए भले ही जायज कहा जाये, लेकिन बार-बार होने वाले चुनावों से होने वाले ऐसे भारी-भरकम खर्चे देश की अर्थ-व्यवस्था पर बोझ तो डालते ही है। भारत में भ्रष्टाचार की जड़ भी महंगी होती चुनाव व्यवस्था है क्योंकि जब करोड़ों रुपये खर्च करके कोई विधानसभा या लोकसभा का प्रत्याशी जनप्रतिनिधि बनेगा तो वह विजयी होने के बाद सबसे पहले अपने भारी खर्च की भरपाई करने की कोशिश करेगा। अतः असल में बात सम्पूर्ण चुनावी व्यवस्था के सुधार की होनी चाहिए। मगर इसकी बात करने पर सभी राजनैतिक दलों में एक सन्नाटा पसर जाता है। लेकिन पक्ष एवं विपक्ष को अपने राजनीतिक हितों की बजाय देशहित को सामने रखकर इस मुद्दे पर आम सहमति बनानी चाहिए। पारदर्शी व निष्पक्ष चुनाव के लिये एक साथ चुनावी मशीनरी तथा सुरक्षा बलों की उपलब्धता के यक्ष प्रश्न को भी सामने रखकर इस पर सकारात्मक रूख अपनाना चाहिए और इसके सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आम सहमति बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में, भारत हमेशा से राजनीतिक विचारधाराओं, विविध संस्कृतियों और विशाल आबादी का मिश्रण रहा है। हर गुजरते चुनाव चक्र के साथ, राष्ट्र लोकतांत्रिक उत्साह का महाकुंभ देखता है, जहाँ लाखों लोग अपने वोट के अधिकार का प्रयोग करते हैं और अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं। हालाँकि, इस जीवंत लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बीच, विभिन्न स्तरों-स्थानीय, राज्य और राष्ट्रीय-पर चुनावों के समन्वय को लेकर बहस ने हाल के वर्षों में काफी जोर पकड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने एक दशक के शासन एवं पिछले महीने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से किए गए अपने संबोधन में 'एक देश, एक चुनाव' की जोरदार वकालत की थी और कहा था कि बार-बार चुनाव होने से देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न हो रही है। उन्होंने राजनीतिक दलों से लाल किले से और राष्ट्रीय तिरंगे को साक्षी मानकर राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित करने का आग्रह किया था। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा द्वारा जारी चुनाव घोषणापत्र में उसने 'एक देश, एक चुनाव' को प्रमुख वादों के रूप में शामिल किया था।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित एक उच्च स्तरीय समिति ने इस साल मार्च में पहले कदम के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की। समिति ने राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय राजनीतिक दलों के साथ परामर्श किया और संभावित अनुशंसाओं के साथ आम लोगो एवं न्यायविदों के विचार आमंत्रित किये। समिति ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाने की भी सिफारिश की। इसके अलावा, विधि आयोग भी 2029 से एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश कर सकता है। असल में बात सम्पूर्ण चुनावी व्यवस्था के सुधार की होनी चाहिए। मगर इसकी बात करते हुए सभी राजनैतिक दलों के सामने निजी हित एवं चुनाव जीतने का गणित सामने आ जाता है। भारत की असली विडम्बना यही है। जब भी सरकारी खर्चे से चुनाव कराने की बात होती है तो इस राह को अव्यावहारिक बता दिया जाता है। जबकि जर्मनी जैसे लोकतन्त्र में यह प्रणाली सफलतापूर्वक काम कर रही है। दक्षिण अफ्रीका में राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानमंडलों के चुनाव एक साथ प्रत्येक पाँच वर्ष पर आयोजित किये जाते हैं, जबकि नगर निकाय चुनाव प्रत्येक दो वर्ष पर आयोजित किये जाते हैं। स्वीडन में राष्ट्रीय विधानमंडल, प्रांतीय विधानमंडल/काउंटी कौंसिल और स्थानीय निकायों/नगर निकाय सभाओं के चुनाव एक निश्चित तिथि, यानी हर चौथे वर्ष सितंबर के दूसरे रविवार को आयोजित किये जाते हैं। ब्रिटेन में ब्रिटिश संसद और उसके कार्यकाल को स्थिरता एवं पूर्वानुमेयता की भावना प्रदान करने के लिये निश्चित अवधि संसद अधिनियम, 2011 पारित किया गया था। इसमें प्रावधान किया गया कि प्रथम चुनाव 7 मई 2015 को और उसके बाद हर पाँचवें वर्ष मई माह के पहले गुरुवार को आयोजित किया जाएगा।

जब दुनिया के अनेक देशों में 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' की परम्परा सफलतापूर्वक संचालित हो रही है तो भारत में इसे लागू करने में इतने किन्तु-परन्तु क्यों है? देश में इसे लागू करने से सरकार कुछ-कुछ समय बाद चुनावी मोड में रहने के बजाय शासन यानी विकास योजना पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकती है। इससे समय एवं संसाधनों की भी बचत होगी। एक साथ चुनाव कराने से मतदान प्रतिशत भी बढ़ेगा, क्योंकि लोगों के लिए एक साथ कई मत डालना आसान हो जाएगा। इन सब स्थितियों के साथ-साथ एक साथ चुनाव कराये जाने पर क्षेत्रीय पार्टियों को होने वाले नुकसान एवं अन्य स्थितियों पर भी ध्यान देना होगा। क्योंकि एक आदर्श एवं सशक्त लोकतंत्र में सभी राजनीतिक दलों के लिये समान अवसर उपलब्ध होना भी जरूरी है।

दिल्ली में आप की आतिशबाजी

(लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

"प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के 74 वे जन्मदिन पर देश में आतिशबाजी हुई या नहीं,लेकिन दिल्ली में आम आदमीपार्टी ने जमकर आतिशबाजी की। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने पद से इस्तीफा देने के बाद आतिशी को अपनाउत्तराधिकारी बनाकर प्रधानमंत्री जी को अनूठा उपहार दिया गया है। कालकाजी विधानसभा सीट से विधायक आतिशी दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री होंगी। आतिशी को 09 मार्च 2023 को पहली बार मंत्री बनाया गया था। मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद उन्हें केजरीवाल कैबिनेट में एंट्री मिली थी।

आतिशी के दिल्ली के मुख्यमंत्री बनने से और कुछ हो या न हो किन्तु भाजपा की राजनीति को ग्रहण जरूर लग गया है। भाजपा की मोदी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली ,झारखंड ,और बंगाल के मुख्यमांत्रियों को अपना निशाना बनाया था लेकिन तीनों ही भाजपा के शिकंजे से निकल गए। तीन में से दो हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को हालांकि जेल यात्रा करना पड़ी लेकिन ममता बनर्जी अभी तक बची हुई है । सन्देशखाली और कोलकात की वारदात भी उनका बाल-बांका नहीं कर सकी। अब भाजपा खीज चुकी है,उसकी बौखलाहट सार्वजनिक हो चली है।

दिल्ली में नेतृत्व परिवर्तन यद्यपि भाजपा सरकार द्वारा आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल पर बनाया गया दबाब ही है, लेकिन केजरीवाल की वक्र चाल ने भाजपा के अब तक के किये कराये पर पानी फेर दिया। आम आदमी पार्टी की सियासत अब दोराहे पर है और भाजपा भी। । उसे साबित करना है कि उसका नहले पार दहला कारगर है या नहीं ?

अब आम आदमी पार्टी की ही नहीं भाजपा और गैर भाजपा गठबंधन की राजनीति में भी बदलाव साफ़ नजर आएगा। आतिशी को दिल्ली की कमान मिलने से आम आदमी पार्टी के वो नेता भी कहीं पीछे छूट गए हैं जिनका अरविंद केजरीवाल से रिश्ता पार्टी की स्थापना से भी पुराना है। केजरीवाल के इस्तीफे से खाली हुए शून्य को तो आतिशी के जरिए भर दिया गया है ,लेकिन भारी-भरकम मंत्रालयों का कार्यभार संभाल रहीं आतिशी को नई जिम्मेदारी मिलने से कैबिनेट में जगह खाली हो गई है। यानी नए नेताओं की दिल्ली की सरकार में एंट्री तय है. दूसरी तरफ भले ही अगले चुनाव तक आतिशी मुख्यमंत्री रहें, लेकिन संगठन की दृष्टि से भी उनके कद में इजाफा तय माना जा रहा है। मुख्यमंत्री होने के नाते वो पहली पंक्ति की नेता हो जाएंगी, प्रमुख स्टार कैंपेनर भी बन जाएंगी।

आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो अब भाजपा के खिलाफ अभियान छेड़ने के लिए परम स्वतंत्र है। अब उनकी लड़ाई का रुख भी बदल जायेगा । अब केजरीवाल भाजपा की बेईमानी और अपनी ईमानदारी को लेकर राजनीति में अपनी जगह बनाने की कोशिश करेंगे ,लेकिन ये काम वे अकेले नहीं कर सकते । उन्हें भी इस अभियान में ईमानदारी के साथ पेश आते हुए कांग्रेस की बैशाखी का इस्तेमाल करना पडेगा। कहते हैं न कि - अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता । इसी तरह अकेले अरविंद केजरीवाल भाजपा का बाल-बांका नहीं कर सकते । वर्ष 2024 के आम चुनाव में भाजपा का जो भी नुक्सान हुआ वो कांग्रेस के नेतित्व वाले गठबन्धन की एकजुटता की वजह से हुआ ,केजरीवाल की आम आदमी पार्टी का उसमें कोई उल्लेखनीय योगदान नहीं है । आम आदमी पार्टी पंजाब से आगे ही नहीं बढ़ पायी । यहां तक कि दिल्ली में भी उसे लोकसभा की एक भी सीट नहीं मिली।

आम आदमी पार्टी की दिल्ली की नयी मुख्यमंत्री आतिशी में कितना आतिश है ये फरवरी 2025 में होने वाले दिल्ली विधानसभा के चुनावों में स्पष्ट हो जाएग। आतिशी के पास करने के लिए कुछ भी नया नहीं है। वे केजरीवाल का मुखौटा हैं और मुखौटा ही रहेंगी ,जो कुछ करेंगे वो सब केजरीवाल ही करेंगे। केजरीवाल को यदि अपनी पार्टी को सचमुच राष्ट्रीय दल बनाये रखना है तो उन्हें दिल्ली के बाहर की राजनीति के बारे में भी सोचना और करना पड़ेगा। दिल्ली और पंजाब में सरकार चलकर आम आदमी पार्टी न कांग्रेस हो सकती है और न भाजपा। आम आदमी पार्टी कल भी भाजपा और कांग्रेस से मीलों पीछे थी और आज भी है ,शायद कल भी रहेगी।

आम आदमी पार्टी की नई करवट से सत्तारूढ़ भाजपा को वेदना तो हो रही है और भाजपा की वेदना अलग-अलग तरीके से सामने आ भी रही है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनावों में भाजपा की पूरी टीम का विचलन साफ़ दिखाई दे रहा है। यहां तक कि माननीय प्रधानमंत्री को गणेश पूजा के दौरान मुख्य न्यायाधीश के घर अपनी मौजूदगी पर भी मुंह खोलकर कांग्रेस पर हमला करना पड़ा है । जाहिर है कि वे बेफिक्र होकर पद पर नहीं हैं हालाँकि उनकी कोशिश अपनी फ़िक्र को लगातार छिपाए रखने की है।

देश में श्राद्ध पक्ष शुरू हो चुका ह। भाजपा केलिए ये देश के पूर्वजों को गरियाने का और शेष विपक्ष केलिए उनके प्रति शृद्धा प्रदर्शित करने का अवसर भी है । जम्मू-कश्मीर की जनता आज चुनाव के पहले चरण में किस तरह से पेश आती है ,ये देखना भी बाक़ी है। जैसा कि मैंने पहले ही कहा की भाजपा को आम आदमी पार्टी का ग्रहण लग चुका है ,क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने अब भाजपा सरकार और डबल इंजिन की तमाम सरकारों के हाथ से बुलडोजर संहिता छीन ली है । अब भाजपा बुलडोजर के जरिये देश के अल्पसंख्यक समुदाय को आतंकित नहीं कर सकती। अब भाजपा को अल्पसंख्यकों को हड़काने के लिए कोई नया औजार तलाशना होगा।

प्रधानमंत्री अपनी टीस को ज्यादा दिन छुपा नहीं पाते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के घर गणेश पूजन में शामिल हुए थे। इस पर विपक्ष के नेताओं ने सवाल उठाया था। प्रधानमंत्री ने आखिर अपने 74वें जन्मदिन पर भुवनेश्वर में इसका जवाब दे ही दिया।प्रधानमंत्री ने कहा- गणेश पूजन में गया तो कांग्रेस के इकोसिस्टम के लोग भड़क उठे। बांटों और राज करो की नीति पर चलने वाले अंग्रेजों को गणेश उत्सव खटकता था। आज समाज को बांटने और तोड़ने में लगे सत्ता के भूखे लोगों को गणेश पूजा से परेशानी हो रही है।वे सच बोल रहे हैं या झूठ ये वे खुद जानें लेकिन मुझे लगता है की वे सच कम ही बोलते हैं।

जाहिर है कि प्रधानमंत्री जितना विचलित कांग्रेस की बढ़त से हैं उतने ही विचलित आम आदमी पार्टी द्वारा दिल्ली में की गयी आतिशबाजी से भी है। आम आदमी पार्टी ने सुश्री आतिशी को दांव पर लगाकर एक बड़ा जोखिम लिया है। इसमका उसे लाभ भी हो सकता और नुक्सान भी । लेकिन सत्ता में बने रहने और सियासत में प्रासंगिकता बनाये रखने के लिए ऐसे जोखिम लेना ही पड़ते हैं। भाजपा तो हर दिन अल्पसंख्यकों से लड़ने का जोखिम लेती है। अब देखना ये है कि क्या दिल्ली की आतिश से भाजपा का दुर्ग झुलसता है या दिल्ली की आतिश भीगी हुई बारूद साबित होती है ? खेल दिलचस्प हो गया है। देखते रहिये।

अनमोल हैं कड़वे बोल

किसी ने कहा है कि अंधेरे में माचिस तलाशता हुआ हाथ, अंधेरे में होते हुए भी अंधेरे में नहीं होता, इस तलाश को अपने भीतर निरंतर जीवित रखना कोई साधारण बात नहीं है, परंतु जो लोग सफर की हदों को पहचानते हैं, जिन्हें हर मंजिल के बाद किसी नए सफर पर चल पड़ने की लत है, उनके भीतर से यह खोज कभी खत्म नहीं होती।अचूकशैली में, अपने क्रांतिकारी विचारों से लोगों को अपनी ही खोज के तौर तरीके बताने वाले राष्ट्रसंत मुनि तरुणसागर जी महाराज की वाणी सहज आकर्षण का विषय बन गई है। ऐसे समय में जब अपने हक में हर खुशी बटोर लेने की अदम्य लालसा लोगों को दुनिया के दुःख दर्द से कोसों दूर ले जा रही है। मुनि श्री दुनिया को खुशी और गम की सही परिभाषा बता रहे हैं। यह सिर्फ संयोग नहीं है कि वे जहां भी पहुंचते हैं, सबसे पहले यही कहते हैं कि मैं कथा सुनाने नहीं जीवन की व्यथा सुनाने आया हूं। यह व्यथा घर-घर की कहानी है, जिसे एक बड़े आईने की शक्ल में सामने रखकर मुनि तरूण सागर जी पुकार कर कह उठते हैं कि इसे न तो ठुकराओ,न ही झुठलाने की कोशिश करो, बेहतर यही है कि इस व्यथा के बीच से ही जीवन का रस हासिल कर लो। मुनि तरुण सागर जी के बोल, सुनने वाले को भावित-प्रभावित तो करते ही हैं, उसे झकझोर कर भी रख देते हैं। उन्हें सुनते समय या पढ़ते समय आप अनुभव करते हैं कि आपकी अपनी जिंदगी एक धारावाहिक के रूप में आपकी आंखों के सामने तैरने लगी है।

शब्द पहेली - 8133

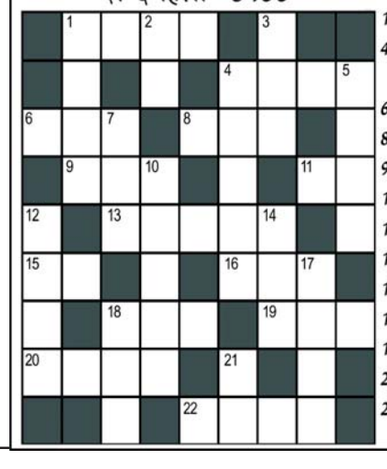

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वरीय कृपा-4
4.कुंए पर पानी भरने का चबूतरा-4
6.दुर्बल का विलोम-3
8.सुनसान,नीरव-3
9.प्रेम प्रतिद्वंदी (उर्दू-3)
11.घोषवाक्य-2
13.चित्रपट,मायानगरी -3,2
15.सूर्य,भास्कर-2
16.उपनदी,कैनाल-3
18.व्यंग,परिहास-3
19.कौर,ग्रास-3
20.दफन करना-4
22.भूल,असावधानी-4

ऊपर से नीचे

1.अगुवा,रास्ता दिखाने वाला-4
2.सरुर,नशा,गरुर-2
3.चिंतन,विचारना-3
4.परजन भावना,गैरपन-5
5.भिड़ना,मुठभेड़-4
7.रेखा,लाईन-3
10.झाग बनना-5
12.सीमा,हद,बॉर्डर-4
14.शाखा,डाली-3
17.रिवाज,परंपरा-4
18.पाबंदी,रोक-3
21.स्वच्छ-2

शब्द पहेली -8132 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

केन के चार गोलों से बायर्न म्यूनिख ने जाग्रेब को 9-2 से हराया,रूनी का रिकॉर्ड भी टूटा

म्यूनिख (ईएमएस)। हैरी केन के चार गोलों की सहायता से बायर्न म्यूनिख ने चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में डिनामो जाग्रेब को 9-2 से हरा दिया। इस मैच के साथ ही केन ने वायने रूनी का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब केन चैंपियंस लीग में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले फुटबॉलर बन गये हैं। केन ने इस मैच में 19वें, 53वें, 73वें और 78वें मिनट में गोल किये और अब उनके कुल गोल इस टूर्नामेंट में 33 हो गये हैं जबकि रूनी के नाम 30 गोल का रिकार्ड था।

यह 2016 के बाद पहली बार है जबकि चैंपियंस लीग के किसी एक मैच में किसी टीम ने 9 गोल किये हैं। इससे पहले बोरुसिया डॉर्टमुंड ने 2016 में लेगिया वारसॉ को 8-4 से हराया था। इस मैच की सफलता के साथ ही बायर्न ने नए कोच विंसेंट कोम्पनी के आने के बाद किसी यूरोपीय प्रतियोगिता में अपने अभियान की जबरदस्त शुरुआत की है।

वहीं इस मैच के स्टार खिलाड़ी केन ने तीन गोल पेनल्टी पर किए। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'दूसरी पेनल्टी के बाद मुझे पता नहीं था की तीसरी पेनल्टी पर क्या करना है पर मुझे खुशी है कि सभी

नवंबर-दिसंबर में गुलजार होगा बाजार, डेढ़ माह में भारत में होंगी 35 लाख शादियां

शेयर बाजार में दिखेगा उछाल, खर्च होंगे 4.25 लाख करोड़

मुंबई (ईएमएस)। भारत में नवंबर से मिड-दिसंबर के बीच 35 लाख शादियों पर 4.25 लाख करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 में इसी अवधि के दौरान 32 लाख शादियां हुईं थीं। भारतीय शेयर बाजार में भी त्योहारों और शादियों के मौसम में उछाल देखने को मिलता है, जिसका मुख्य कारण कंज्यूमर स्पेंडिंग यानी उपभोक्ता खर्च में ग्रोथ है। रिटेल, हॉस्पिटैलिटी, ज्वेलरी और ऑटोमोबाइल जैसे सेक्टरों को इस बढ़ी हुई मांग से काफी लाभ मिलता है। बैंड बाजा बारात और मार्केट्स टाइटल वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई के बजट में सोने की इंपोर्ट डयूटी यानी आयात शुल्क में कटौती से त्योहारों और शादी के मौसम में बड़े खर्च को बढ़ावा मिलेगा। सोने के आयात शुल्क में हाल ही में 15 प्रतिशत से 6 प्रतिशत की कटौती से देश भर में सोने की खरीद में ग्रोथ होने की उम्मीद है।

विशेष रूप से आगामी त्यौहारों और शादी के मौसम के दौरान सोने की खरीद में बड़ी ग्रोथ देखने को मिल सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सोने की कल्चरल एंड रिलीजियस इंपोर्टेस और वैल्युएबल इन्वेस्टमेंट के रूप में इसकी स्थिति को देखते हुए, इस कमी से डिमांड में ग्रोथ होने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के एक सर्वे का हवाला देते हुए कहा गया है कि 15 जनवरी से 15 जुलाई के बीच भारत में 42 लाख से ज्यादा शादियां हुई हैं, जिस पर 5.5 लाख करोड़ रुपए का अनुमानित खर्च हुआ है।

एयरलाइन-होटल बुकिंग पर ज्यादा खर्च होता है

भारत में शादी और त्यौहारी सीजन में एयरलाइन और होटल बुकिंग जैसी प्रीमियम गुड्स एंड सर्विसेज पर ज्यादा खर्च होता है। इस बढ़ी हुई डिमांड से कंपनियों के प्रॉफिट मार्जिन में ग्रोथ होती है, जिससे देश की ओवरऑल इकोनॉमिक ग्रोथ को सपोर्ट मिलता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के 25 की-डेस्टिनेशंस को वेडिंग साइट्स के रूप में चिन्हित करने और भारत को इंटरनेशनल वेडिंग्स के लिए टॉप चॉइस के रूप में प्रमोट करने के सरकार के प्लान से देश में फोरेक्स इनफ्लो में ग्रोथ होगी। इस पहल की शुरुआत देश भर में लगभग 25 की-डेस्टिनेशंस को चिन्हित करके की जाएगी। जिसमें दिखाया जाएगा कि भारत किस प्रकार कई वेडिंग प्रेफरेंसेस को पूरा कर सकता है। मेक इन इंडिया अभियान की सफलता के आधार पर, इस स्ट्रेटजी का टारगेट लगभग 12.1 बिलियन डॉलर (1 लाख करोड़ रुपए) प्राप्त करना है, जो वर्तमान में विदेशों में डेस्टिनेशन वेडिंग पर खर्च किया जाता है।

सोने की कीमतों में तेजी,चांदी में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने की वायदा कीमतों में तेजी आई जबकि चांदी के वायदा भाव गिरे। आज कारोबार के दौरान सोने का वायदा भाव 73,250 रुपये के करीब, जबकि चांदी का वायदा भाव 88,700 रुपये के करीब रहा। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव में तेजी जबकि चांदी के वायदा भाव में कमी आई।

सोने के वायदा भाव की आज बढ़त के साथ शुरुआत हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध आज 105 रुपये नीचे आकर 73,199 रुपये पर खुला। एक समय ये अनुबंध 156 रुपये बढ़कर 73,250 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। ये 73,272 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 73,199 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 74,471 रुपये के शीर्ष स्तर पर पहुंचे थे।

चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज कमजोर रही। एमसीएक्सा पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर अनुबंध आज 321 रुपये टूटकर 88,749 रुपये पर खुला। सुबह एक समय यह अनुबंध 385 रुपये की गिरावट के साथ ही 88,685 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 88,800 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 88,610 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। इस साल चांदी के वायदा भाव 96,493 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे।

वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन चांदी के भाव बाद में कम हो गये। कामेक्स पर सोना 2,596 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,592.40 डॉलर प्रति औंस था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.02 डॉलर के भाव पर खुले। इनका, पिछला बंद प्राइस 30.97 डॉलर था।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

सुबह नौ बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा मैच

चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय टीम गुरुवार से यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ शुरू हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य अपनी ही धरती पर होने वाली टो टेस्ट मैचों की इस सीरीज को जीतकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक तालिका में अपना नंबर एक स्थान बरकरार रखना रहेगा। भारतीय टीम एक माह के ब्रेक के बाद तरोताजा होकर इस सीरीज में उतरेगी। ऐसे में उसका लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। टीम की बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी काफी अच्छी है। इसके बाद भी भारतीय टीम बांग्लादेश को हल्के में लेने की भूल नहीं करेगी। कप्तान रोहित शर्मा ने पहले ही कह दिया है कि टीम बांग्लादेश को कम नहीं आंकते हुए अपना ध्यान खेल पर लगाएगी। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम बांग्लादेश ने हाल में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया है जिससे उसके हौंसले बढ़े हुए रहेंगे। पाक दौरे में उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने दबाव के बीच भी बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज की थी। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है क्योंकि भारतीय टीम आज तक बांग्लादेश से नहीं हारी है। भारतीय टीम की ओर से इस सीरीज में वापसी करते हुए विराट कोहली अधिक से अधिक रन बनाना चाहेंगे। विराट के अलावा केएल राहुल भी टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए अच्छे प्रदर्शन का पूरा प्रयास करेंगे।

स्वदेश में 2015 से भारत के शानदार प्रदर्शन में कोहली की अहम भूमिका रही है और उन्होंने सभी गेंदबाजों के खिलाफ रन बटोरे हैं पर 2021 से स्पिन के खिलाफ उनके प्रदर्शन में गिरावट आई है। इस दौरान 15 टेस्ट में उनका औसत 30 का रहा है। इसमें वह सुधार करना चाहेंगे। वहीं कप्तान रोहित शर्मा स्पिन के खिलाफ आक्रामक रहे हैं। उन्होंने स्पिनरों के खिलाफ 90 से ज़्यादा की औसत से रन बनाए हैं पर पिछे दो तीन साल से स्पिनरों के खिलाफ उनके प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और वह 15 मैच में 44 की औसत से रन बना पाए हैं। इस बार बांग्लादेश के पास अच्छे स्पिनर है जिसको देखते हुए विराट और रोहित को संभलकर खेलना होगा।

वहीं केएल राहुल को स्पिनरों ओर तेज गेंदबाजों समान रुप से सहज माना जाता है पर उनका प्रदर्शन भी पिछले तीन साल में स्पिनरों के खिलाफ कमजोर रहा है। इस दौरान राहुल ने स्वदेश में पांच टेस्ट खेले और स्पिनरों के खिलाफ उनका बल्लेबाज औसत केवल 23.40 रहा है।

वहीं बांग्लादेश के पास बाएं हाथ के शाकिब अल हसन और ताइजुल इस्लाम के अलावा ऑफ स्पिनर मेहदी हसन मिराज के रूप में अच्छे स्पिनर हैं। इन्होंने पाक दौरे में मेजबान टीम की बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया था। कार हादसे के बाद वापसी करते हुए पहली बार टेस्ट खेलने जा रहे ऋषभ पंत पर भी इस मैच में सबकी नजरें रहेंगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा पर रहेगी। इस प्रकार भारतीय टीम के पास काफी अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है। भारतीय टीम अब यहां लाल मिट्टी की पिच को देखते हुए किस प्रकार के गेंदबाजी संयोजन के साथ उतरती है। ये देखना होगा। ऐसे में आकाश दीप या यश दयाल में से किसी एक को तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में अवसर मिल सकता है या तीन स्पिनरों के साथ टीम उतरी तो कुलदीप यादव को शामिल किया जाएगा।

इसके अलावा अक्षर पटेल को अवसर मिल सकता है क्योंकि वह स्पिन के साथ ही निचले क्रम पर अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। भारत के नए मुख्य कोच गौतम गंभीर की ये पहली सीरीज है, ऐसे में उनक लक्ष्य टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं बांग्लादेश की बल्लेबाजी मुश्फिकुर रहीम, लिटन दास, के अलावा नजमुल हुसैन शंटो पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी तेज गेंदबाजों नाहिद राणा और हसन महमूद के अलावा स्पिनर शाकिब और मेहदी हसन मिराज पर अधारित रहेगी। कुल मिलाकर ये सीरीज रोमांचक रहने की उम्मीद है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, लोकेश राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल।

बांग्लादेशः नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), महमूदुल हसन जॉय, जाकिर हसन, शादमान इस्लाम, मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिट्टन दास, मेहदी हसन मिराज, ताइजुल इस्लाम, नईम हसन, नाहिद राणा, हसन महमूद, तास्किन अहमद, सैयद खालिद अहमद और जाकिर अली अनिक।

सरकार ने खाद्य तेल कंपनियों का खेल बिगाड़ा

कहा- आयात शुल्क बढ़ा है पर आप दाम न बढ़ाएं

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्र सरकार ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाया है। इसके बाद कंपनियों की प्लानिंग थी कि आयात शुल्क बढ़ने की आड़ में खाद्य तेलों के खुदरा दाम बढ़ा देंगे। इस आशंका के चलते ये सब होता इससे पहले ही सरकार ने कंपनियों के पूरे प्लान को चौपट कर दिया। सरकार ने कहा कि आयात शुल्क बढ़ाया गया है लेकिन इसका मतलब ये नहीं है के कंपनिया खुदरा दाम बढ़ाएं। क्योंकि कंपनियों के पास कम शुल्क पर आयातित तेल आसानी से 45-50 दिनों तक का स्टॉक पहले से ही रखा हुआ है।

बता दें कि पिछले सप्ताह, केंद्र ने घरेलू तिलहन कीमतों का समर्थन करने के लिए विभिन्न खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क में वृद्धि की थी। इस महीने की 14 तारीख से प्रभावी, कच्चे सोयाबीन तेल, कच्चे पाम तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर मूल्य सीमा शुल्क को शून्य से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे कच्चे तेलों पर प्रभावी शुल्क 27.5 प्रतिशत हो गया है।

इसके अतिरिक्त, रिफाइंड पाम तेल, रिफाइंड सूरजमुखी तेल और रिफाइंड सोयाबीन तेल पर मूल सीमा शुल्क 12.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 32.5 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे रिफाइंड तेलों पर प्रभावी शुल्क 35.75 प्रतिशत हो गया है। मंगलवार को खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने सॉल्वेंट एक्सट्रैक्शन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए), इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोडयूसर्स एसोसिएशन (आईवीपीए) और सोयाबीन ऑयल प्रोडयूसर्स एसोसिएशन (एसओपीए) के प्रतिनिधियों के साथ मूल्य निर्धारण रणनीति पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। एक सरकारी बयान में कहा गया है, कि प्रमुख खाद्य तेल संघों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि जब तक 0 प्रतिशत और 12.5 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) पर मंगाया गया खाद्य तेल स्टॉक में है तब तक प्रत्येक तेल का एमआरपी बरकरार रखा जाए और अपने सदस्यों के साथ इस मुद्दे को तुरंत उठाया जाए। इसमें कहा गया है कि केंद्र सरकार को यह भी पता है कि कम शुल्क पर आयातित खाद्य तेलों का करीब 30 लाख टन स्टॉक है जो 45 से 50 दिनों की घरेलू खपत के लिए पर्याप्त है। सरकार ने खाद्य तेल कंपनियों से कहा है कि वह तेल का खुदरा मूल्य न बढ़ाएं। यह आदेश सरकार द्वारा खाद्य तेल के आयात पर बढ़ाए गए शुल्क के बाद दिया गया है। ऐसी आशंका थी कि कंपनियां इस शुल्क का बोझ आम नागरिकों पर ट्रांसफर कर देंगी। सरकार ने साथ ही कंपनियों से कहा है कि उनके पास पहले से सस्ते आयात शुल्क के साथ मंगाया पर्याप्त खाद्य तेल है। खाद्य मंत्रालय का कहना है कि कम शुल्क पर आयातित तेल आसानी से 45-50 दिनों तक चलेगा और इसलिए कंपनियों को अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) बढ़ाने से बचना चाहिए।

मोदी 3.0 में सरपट दौड़ रहा सेंसेक्स, निवेशकों को कर दिया मालामाल

मुंबई (ईएमएस)। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। मोदी सरकार 3.0 के पहले 100 दिन में सेंसेक्स 6,300 अंक या 8.2 प्रतिशत का रिटर्न दे चुका है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में लार्जकैप के साथ स्मॉलकैप में भी बंपर तेजी है। इस दौरान बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 18 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। समीक्षा अवधि में बीएसई आईटी और बीएसई हेल्थकेयर इंडेक्स ने 22-22 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बीएसई कंज्यूमर डयूरेबल्स ने 17 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। हालांकि, बीएसई मेटल इंडेक्स और बीएसई रियल्टी इंडेक्स में क्रमशः तीन और एक प्रतिशत की गिरावट हुई है।

समीक्षा अवधि में रेफेक्स इंडस्ट्रीज, पीसी ज्वेलर्स, बालू फोर्ज इंडस्ट्रीज, ग्राविटा इंडिया, पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट, गॉडफ्रे फिलिप्स इंडिया और न्यूलैंड लेबोरेटरीज ने 100 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। कुछ दिनों पहले वैश्विक ब्रोकरेज फर्म की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया था कि वे लंबी अवधि के लिए भारतीय शेयर बाजार पर बुलिश हैं। इसकी वजह जीडीपी में तेज वृद्धि दर का होना है, जिसके कारण कॉरपोरेट आय में भी इजाफा हो रहा है। छोटी अवधि में घरेलू निवेशकों की ओर से किया जाने वाला निवेश भी जारी रहने की उम्मीद है। वहीं, विदेशी निवेशकों की भी वापसी हो सकती है। भारतीय शेयर बाजार में तेजी की वजह अर्थव्यवस्था का मजबूत होना है। भारत की जीडीपी वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। इसके वित्त वर्ष 2024-25 में 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इस साल की शुरुआत से अब तक निफ्टी करीब 17 प्रतिशत और सेंसेक्स करीब 16 प्रतिशत का रिटर्न दे चुका है।

भारी बारिश और बाढ़ से मध्य यूरोप के 6 देशों में त्राहीमाम

प्राग (ईएमएस)। मध्य यूरोप में इनदिनों भयानक आसमानी आफत आई। तेज बारिश के बाद आई बाढ़ से अब तक 22 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। रोमानिया, पोलैंड, चेक गणराज्य, ऑस्ट्रिया जैसे देशों की हालत खराब है। भारी बारिश से नदियां ऊफान पर हैं। कई शहर, कस्बे और गांव पानी डूबे हुए हैं। ये तस्वीर रोमानिया की है।

बाढ़ ऐसी कि रोमानिया से पोलैंड करीब 1200 किलोमीटर की दूरी तक सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है। बाढ़ ने चेक गणराज्य, स्लोवाकिया, ऑस्ट्रिया, हंगरी तक को परेशान कर दिया है। बाढ़ से मध्य यूरोप के छह देशों में तबाही मची हुई है।

चेक गणराज्य और पोलैंड की सीमा वाले इलाके ज्यादा प्रभावित हैं। यहां वीकेंड पर तेज बहाव के साथ नदियों में बहता हुआ कचरा आया। जिससे कई ऐतिहासिक कस्बे बर्बाद हुए और ब्रिज टूट गए। रोमानिया में बाढ़ की वजह से सात लोगों की मौत हो गई। पोलैंड में भी सात लोग मारे गए हैं। ऑस्ट्रिया में पांच की मौत हुई है। चेक गणराज्य में तीन लोगों की मौत हुई है। हजारों घरों में बिजली नहीं है।

पोलैंड का तीसरा सबसे बड़ा शहर रोक्लॉ वर्तमान में ओडेर और बिस्त्रजिका नदियों के ऊफान से बचने का प्रयास कर रहा है। इस शहर के आधे हिस्से में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। पोलैंड में इमरजेंसी टीम में राहतकर्मी ने कहा कि यहां हर कोई एकदूसरे की मदद कर रहा है। चाहे वह छोटा बच्चा हो या फिर बुजुर्ग। जिसमें भी दम है, वहां कम से कम कुछ नहीं रेत की बोरियां रख रहा है। रोक्लॉ चिड़ियाघर के प्रशासन ने लोगों से मदद मांगी ताकि जानवरों को पानी से बचाने के लिए सैंडबैग रखे जा सकें।

कीट और रोगों के प्रकोप से फसल खराब,अभी और बढ़ेंगे टमाटर के दाम

नई दिल्ली,(ईएमएस)। प्याज और खाद्य तेल के बाद अब टमाटर की कीमतें घर का बजट बिगाड़ रही हैं। टमाटर के भाव और बढ़ सकते हैं वजह है नासिक में टमाटर की फसल कीटों और रोगों के प्रकोप से खराब हो रही है। निफाड क्षेत्र के किसान सरपेन्टाइन लीफ माइनर नामक कीट से परेशान हैं, जो टमाटर के साथ अन्य सब्जियों को भी नुकसान पहुंचा रहा है। यह कीट लिरियोमाइजा ब्रासिका मक्खी का लार्वा है, जो पत्तियों को खाकर पौधों को कमजोर कर देता है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक नासिक जिले के टमाटर के खेतों में कीटों और रोगों का प्रकोप बढ़ गया है। यह आर्थिक नुकसान की स्थिति तक पहुंच गया है। इस स्थिति को इकनॉमिक थ्रेशहोल्ड लेवल कहा जाता है, जहां फसलों को बचाने के लिए तुरंत कदम उठाने की जरुरत होती है लेकिन पर्याप्त प्रयास नहीं किए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र अब टमाटर की बुवाई में भी पिछड़ गया है। नासिक में टमाटर की औसत खेती करीब 21 हजार हेक्टेयर में होती है, जिसमें प्रति हेक्टेयर 30 टन का उत्पादन होता है। पिंपलगांव से दिल्ली, मध्य प्रदेश, असम और हरियाणा समेत कई बाजारों में टमाटर की सप्लाई की जाती है, जबकि कुछ मात्रा बांग्लादेश और पाकिस्तान को निर्यात किया जाता है। मध्य प्रदेश के भिंड जिले में धान की फसल लीफ फोल्डर कीट से प्रभावित है। वहीं यूपी के सीतापुर जिले में गन्ने में लाल सड़न यानी गन्ने का कैंसर की समस्या देखी गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल आलू और प्याज की बुवाई कम हो रही है। 2.89 लाख हेक्टेयर के लक्षित क्षेत्र में से केवल 1.55 लाख हेक्टेयर में टमाटर बोया गया है, जबकि आलू की बुवाई 0.41 लाख हेक्टेयर के लक्षित क्षेत्र में से सिर्फ 0.30 लाख हेक्टेयर में हुई है। वहीं, प्याज की बुवाई भी अपेक्षाकृत कम है। कीट लिरियोमाइजा ब्रासिका मक्खी का लार्वा है, जो पत्तियों को खाकर पौधों को कमजोर कर देता है।

री-इन्वेस्ट-2024 : नवीकरणीय ऊर्जा केवल विकल्प नहीं, बल्कि मौजूदा समय की मांग है : उप राष्ट्रपति

□ वेद-उपनिषदों में अक्षय ऊर्जा के संबंध में हजारों वर्ष पहले बताए गए उपायों को आज पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है

गांधीनगर (ईएमएस) भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की ओर से आयोजित चौथे वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो 2024 (री-इन्वेस्ट) का समापन समारोह बुधवार को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में आयोजित इस समापन समारोह में गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी मौजूद रहे। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नवीकरणीय ऊर्जा यानी रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के इस दौर में नवीकरणीय ऊर्जा केवल विकल्प ही नहीं, बल्कि मौजूदा समय की मांग भी है। क्योंकि, इसके साथ समग्र जीवसृष्टि का अस्तित्व जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत ने पर्यावरण का संरक्षण कर पूरी दुनिया को बचाने के लिए रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में वैश्विक महायज्ञ का आह्वान किया है। उन्होंने अनुरोध किया कि प्रत्येक नागरिक नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाकर इस महायज्ञ में अपनी आहुति दे। गुजरात के गौरवशाली इतिहास को पूरी दुनिया के लिए प्रेरणादायी बताते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि एक समय था जब स्वतंत्रता प्राप्त करने की बड़ी चुनौती का सामना करने के लिए गुजरात की भूमि के दो सपूतों, महात्मा गांधी और सरदार पटेल ने देश का नेतृत्व किया था। आज दुनिया को 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' जैसे एकता के प्रतीक की भेंट देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का पूरी दुनिया ने न केवल स्वागत किया है, बल्कि उनके सुझावों को स्वीकार भी किया है। उन्होंने कहा कि गुजरात की भूमि पर इन तीन दिनों के दौरान दुनिया भर के रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र के अग्रणियों द्वारा विचार-मंथन किया गया है। इस ऐतिहासिक आयोजन में लगभग 250 से अधिक विषय विशेषज्ञ वक्ताओं और उतनी ही संख्या में डेलीगेट्स भी सहभागी हुए हैं। गुजरात में आयोजित इस कार्यक्रम में तीन दिनों के दौरान हजारों की संख्या में नागरिकों ने भी अपनी सहभागिता दर्ज कराई है, जो वास्तव में सराहनीय है। उप राष्ट्रपति ने ऐसे वैश्विक आयोजन के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री को बधाई दी। री-इन्वेस्ट एग्जीबिशन में इस दुनिया को और अधिक जीने तथा रहने लायक स्थान बनाने के लिए वैश्विक स्तर के उपाय प्रदर्शित किए गए हैं, जिसमें 200 से अधिक कंपनियों ने हिस्सा लिया है। इसके अलावा, समिट के तीन दिनों के दौरान 500 से अधिक बीटूबी (बिजनेस टू बिजनेस) और बीटूजी (बिजनेस टू गवर्नमेंट) बैठकें भी आयोजित हुई हैं। जिसमें दुनिया भर के राजनयिकों ने यह निष्कर्ष निकाला है कि नवीकरणीय ऊर्जा केवल विकल्प ही नहीं, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए उप राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि री-इन्वेस्ट समिट रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र के विकास का एक शक्तिशाली माध्यम बनेगी।

उप राष्ट्रपति ने कहा कि पृथ्वी पर मौजूद प्राकृतिक संसाधन सभी के लिए हैं, लेकिन उसका उपयोग करने में हम ज्यादा लोभ करेंगे, तो वह विनाश को आमंत्रित करेगा। आज जलवायु परिवर्तन जीवसृष्टि के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। जीवसृष्टि के लिए पृथ्वी के अलावा कोई दूसरा ग्रह नहीं है, इसलिए इन समस्याओं का सामना करने के अलावा हमारे पास दूसरा कोई विकल्प नहीं है। इस संदर्भ में भारत की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या के समाधान के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया का मार्गदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के प्राचीन वेदों और उपनिषदों में भी रिन्यूएबल एनर्जी यानी अक्षय ऊर्जा के उपयोग के संबंध में बताए गए उपायों को आज पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है। इसी उद्देश्य के साथ 'वसुधैव कुटुम्बकम' के मंत्र के साथ भारत ने गत वर्ष जी20 की सफल मेजबानी की थी, जिसमें यूरोपियन यूनियन और अफ्रीकन यूनियन सहित 100 से अधिक देशों ने भारत के सुझावों को स्वीकार उन्हें अपनाया है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को सुंदर विश्व देना हम सभी का दायित्व है। आज तक मानव जाति ने वैश्विक संपदा को जो नुकसान पहुंचाया है, उसे लेकर अब नागरिकों में जागरूकता फैल रही है। नतीजतन, धरती को बचाने के इस महायज्ञ में प्रत्येक नागरिक को अपनी आहुति देनी होगी और इसके लिए सभी को एक सैनिक की तरह काम करना होगा।

अब छात्र वाहन से स्कूल गए तो अभिभावकों की खैर नहीं...

अहमदाबाद,18 सितंबर

अहमदाबाद में नाबालिगों के वाहन चलाने और दुर्घटनाएं करने के मामले बढ़े हैं। अहमदाबाद ग्रामीण डीईओ एक्शन मोड में आ गए हैं और नाबालिगों को स्कूल में वाहन नहीं लाने का सर्कुलर जारी किया है। स्कूलों को भी सूचित कर दिया गया है. इसके अलावा आने वाले दिनों में ट्रैफिक-पुलिस और आरटीओ, डीईओ के साथ संयुक्त अभियान भी चलाया जाएगा। जारी सर्कुलर के विपरीत यदि कोई बच्चा वाहन के साथ पकड़ा गया तो उसके माता-पिता पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी.

अहमदाबाद ग्रामीण डीईओ कृपा झा ने कहा, 'मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार, बच्चों को 125 सीसी से अधिक के वाहन चलाने की अनुमति नहीं है। ऐसे में बच्चे खुद, स्कूल और अभिभावकों को परेशानी में डालकर वाहन लेकर स्कूल जा रहे हैं। जिसमें छात्र के स्कूल में वाहन लाने पर प्रिंसिपल को उसके माता-पिता को सूचित करना होगा। अगर अगले दिन की ड्राइव में कोई बच्चा स्कूल में वाहन लेकर जाएगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।'

डीईओ द्वारा स्कूल के पार्किंग स्थल पर जाकर भी पूरे मामले की गहनता से जांच की जाएगी और यदि कोई छात्र वाहन चलाते पकड़ा गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्कूलों को छात्रों के माता-पिता को परिपत्र के बारे में सूचित करने का भी निर्देश दिया गया है। स्कूल को अभिभावकों को सूचित करना होगा फिर आरटीओ और ट्रैफिक-पुलिस के साथ डीईओ द्वारा औचक चेकिंग की जाएगी। इसके अलावा आने वाले दिनों में ट्रैफिक-पुलिस और आरटीओ, डीईओ के साथ संयुक्त अभियान भी चलाया जाएगा।

ग्लोबल वार्मिंग एक ग्लोबल वार्निंग बन चुकी है, री-इन्वेस्ट का वैश्विक चिंतन उचित समय और उचित दिशा में हुआ : राज्यपाल

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने री-इन्वेस्ट के समापन समारोह में कहा कि वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग एक ग्लोबल वार्निंग बन चुकी है, ऐसे में रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में महात्मा मंदिर में इन तीन दिनों के दौरान हुआ वैश्विक चिंतन उचित समय पर, उचित दिशा में हुआ चिंतन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व कल्याण की संकल्पना के साथ प्रगति की राह पर अग्रसर है, और गुजरात रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में एक लीडर की भूमिका निभा रहा है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और पूरी गुजरात सरकार को बधाई दी। राज्यपाल ने कहा कि भौतिक उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए हमने प्रकृति का जमकर शोषण किया है। सूर्य, पृथ्वी, अग्नि, वायु और जल, इन पंचमहाभूतों या पंचतत्वों के शोषण से प्रकृति नाराज है। ग्लोबल वार्मिंग के स्वरूप में हम इसके गंभीर दुष्परिणाम भुगत रहे हैं। भारतीय शास्त्रों में पंचमहाभूतों को देवताओं की संज्ञा दी गई है। हमें अपने इन देवताओं की आराधना कर, प्रकृति के इन पंचतत्वों का पोषण कर प्रगति की राह पर अग्रसर होने की आवश्यकता है। चौथी वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेशक मीट इस दिशा में एक अहम सोपान सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि ऊर्जा ही विकास का आधार है। सूर्य, पवन, हाइड्रो और ग्रीन हाइड्रोजन ऊर्जा के क्षेत्र में हुआ चिंतन पूरे जगत के कल्याण का चिंतन है। इसके लिए उन्होंने भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और गुजरात सरकार को बधाई दी।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने समापन अवसर पर यह विश्वास व्यक्त किया कि 'इन्वेस्ट-इनोवेट-इन्सपायर' के मंत्र के साथ आयोजित चौथी री-इन्वेस्ट समिट 'वसुधैव कुटुम्बकम' को साकार करने के साथ ही प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए 'वन सन, वन अर्थ, वन ग्रिड' के विजन को गति देगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम कर पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा सुरक्षा एवं हरित ऊर्जा के नए आयाम दिए हैं। नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के व्यापक विकास की इमारत 'शक्ति पंचामृत' के आधार पर बनाई है। इसके परिणामस्वरूप गुजरात देश के विकास के ग्रोथ इंजन के रूप में 'अक्षय ऊर्जा राजधानी' बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री ने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान गुजरात में सौर ऊर्जा के अधिकतम उत्पादन के लिए चारणका में देश का पहला सोलर एनर्जी पार्क स्थापित किया था। इतना ही नहीं, सरदार सरोवर बांध के माध्यम से जल शक्ति का ऊर्जा शक्ति में विनियोग कर जलविद्युत (हाइड्रोपावर) उत्पादन का महत्व स्थापित किया है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि गत वर्ष राज्य में लगभग 62 हजार मिलियन यूनिट जलविद्युत का उत्पादन हुआ है। बेहतर जल प्रबंधन के कारण पम्प्ड हाइड्रो प्रोजेक्ट संभव हो पाए हैं और राज्य सरकार ने इस उद्देश्य से 50 स्थानों की पहचान की है। भूपेंद्र पटेल ने गर्व के साथ बताया कि री-इन्वेस्ट समिट के चौथे संस्करण में 9460 मेगावाट क्षमता के पम्प्ड हाइड्रो प्रोजेक्ट्स के लिए 59 हजार करोड़ रुपए के एमओयू (समझौता ज्ञापन) इंटेंशन्स हुए हैं।

कोर्ट ने सूरत के पीआई पर लगाया 3 लाख का जुर्माना, बेवजह एक वकील को मारी थी लात

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात हाईकोर्ट ने सूरत के पुलिस निरीक्षक (पीआई) पर रु. 3 लाख का जुर्माना लगाते हुएसख्तटिप्पणी की हैं हाईकोर्ट के न्यायधीश ने कहा कि अगर पुलिसदमन नहीं रुका तो कल कोई पीआई मुझे भी लात मार सकता हैं दरअसल सूरत के डिंडोली पुलिस थाने के पीआई ने अपने दोस्तों के साथ बैठे वकील को बेवजह लात मारते हुए जाति को लेकर अपशब्द कहे थें इस मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्टकेन्यायधीश निर्झर देसाई ने कहा कि पीआई भविष्य में यह बात यादरहनी चाहिए कि उन्हें किस बातकेलिएतीनलाख रुपए का जुर्माना किया गया थ पूरी घटना पर नजर डालें तोसूरत के डिंडोली पुलिस थाने के पीआई एचजे सोलंकी ने उसी क्षेत्र में रात्रि के दौरान अपने दोस्तों के साथबैठे हिरेन नाई को लात मार दी थी साथ हीउनकी जाति को लेकर अपशब्दोंकाउपयोगकियाथा सीसीटीवी में कैद हुई इस घटना का वीडियो भी वायरल हुआ थ घटना को लेकर हिरेन नाई जब पीआई के खिलाफ केस दर्ज करवाने गए तो पुलिस अधिकारीने शिकायत दर्ज करने से इंकार कर दिया जिससे वकील हिरेन नाई ने गुजरात हाईकोर्ट याचिका दाखिल करदी हाईकोर्ट ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए सूरत के डिंडोली पुलिस थाने के पीआई एचजे सोलंकी पर 3 लाख रुपए का लगाया हैं साथ ही सख्त टिप्पणी की है कि पीआई को ताउम्र याद रहना चाहिए कि अकारण किसी निर्दोष पर हाथ उठाना या लात मारना कितना महंगा पड़ सकता हैं भविष्य में पीआई जब किसी व्यक्ति पर हाथ या लात मारने के उठाएंगे तब उन्हें रु. 3 लाख जुर्माना याद आएगा हाईकोर्ट के न्यायधीश ने कहा कि पुलिस भले दबाव में काम करती हो, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उसे सत्ता का दुरुपयोग करने की छूट मिल गई न्यायधीश ने कहा कि सीसीटीवी फूटेज में स्पष्ट दिखता है, खुद को हीरो समझने वाले पीआई जीप से उतरते ही निर्दोष व्यक्ति को किस प्रकार लात मारते हैं खुद को हीरो समझने वाले ऐसे पीआई को कभी माफ नहीं किया जा सकता इतना ही नहीं पीआई ने वकील को नार्कोटिक्स के फर्जी मुकद्दमे में फंसाने की भी धमकी दी थी पीआई को फटकार लगाते हुए न्यायधीश ने कहा कि आप वर्दी पहनकर घूमते हैं, इसका मतलब यह नहीं कि किसी को भी बगैर कोई कारण उसके साथ मारपीट करें बगैर पूछताछ किए तो आरोपी के साथ भी मारपीट नहीं की जा सकती न्यायधीश ने कहा कि अगर पुलिस दमन नहीं रोका गया तो कल पुलिस मुझे भी लात मार सकती हैं हाईकोर्ट ने सवाल किया कि ऐसे पीआई के खिलाफ सरकार कोई कार्यवाही क्यों नहीं करती? सुनवाई के दौरान ही न्यायधीश ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से पीआई के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी, इसकी जानकारी मांगी

गुजरात की बिजली कंपनियों में श्रम अनुबंधों में 400 से 800 प्रतिशत अधिक कीमत पर लूट चल रही है:कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में भाजपा शासन में विभिन्न सरकारी विभागों में लूट चल रही है। पश्चिम गुजरात पावर कंपनी में पीजीवीसीएल केंद्र सरकार की योजना के नाम पर करोड़ों रुपये की लूट की जा रही है। सभी बिजली कंपनियों द्वारा वितरण नेटवर्क को मजबूत करने के नाम पर ठेके में लूट की जा रही हैं इसका खुलासा करते हुए गुजरात प्रदेश कांग्रेस के मीडिया संयोजक एवं प्रवक्ता मनीष दोषी ने कहा कि राज्य में सभी बिजली कंपनियों द्वारा लूट का कारोबार शुरू कर दिया गया हैं केंद्र सरकार की योजना के नाम पर श्रम मूल्य से 400 से 800 फीसदी अधिक कीमत पर ठेका दिया गया हैं निजी कंपनी यह काम 3864 रुपये में करेगी, जो पहले स्थानीय ठेकेदार 830 रुपये में करता थ लोहे के खंभे लगाने का काम भी निजी कंपनी को देकर लूट की जाती है। एमवीसीसी तार लगाने की लागत 4518 रुपये थी, अब निजी कंपनी 32239 रुपये में लगायेगी चूंकि भाजपा नेता की दिलचस्पी लूट के धंधे में है, इसलिए ऐसी कंपनियों को ठेका दिया गया है, जो पहले की तुलना में 400 से 800 प्रतिशत अधिक कीमत पर मानी जाती है। मनीष दोशी का आरोप है कि केंद्र सरकार की योजना आरडीएसएस योजना के तहत गुजरात बिजली बोर्ड के पीजीवीसीएल में घोटाला किया गया। आरडीएसएस योजना के तहत केंद्र सरकार ने 1 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया हैं ट्रांसमिशन को मजबूत करने के नाम पर लूट का कारोबार चल रहा हैं इस काम का ठेका नियमित कीमत से 400 गुना अधिक कीमत पर दिया गया हैं 8 मीटर बिजली पोल लगाने का काम पहले इसे 830 रुपये में दिया गया था, जिसे अब 3864 रुपये में दिया गया हैं 11 केवी तार बिछाने का काम जोपहले 4518 रुपये में होता था अब 32,239 रुपये में दिया गया हैं पीजीवीसीएल के साथ-साथ अन्य जीईबी कंपनियों को भी उच्च दरों पर अनुबंध दिया गया हैं विजय इलेक्ट्रिक औरअपार कंपनी को पश्चिम गुजरात पावर कंपनी द्वारा अनुबंध दियागयाहै। कांग्रेस पार्टी ने इस बात कीन्यायिकजांच की मांग की है कि इतनी ऊंचीकीमत पर ठेका क्यों दिया गया और जो भी जिम्मेदार है उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने 'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024' के पहले दिन गांधीनगर में श्रमदान किया

- पीएम मोदी की प्रेरणा से 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' के ध्येय के साथ 2 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल 'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024' के पहले दिन गांधीनगर महानगर पालिका क्षेत्र के सेक्टर-7 सब्जी बाजार और शॉपिंग सेंटर क्षेत्र में श्रमदान कर रात्रि सफाई में सहभागी बने। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता' के ध्येय के साथ 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक देश व्यापी स्वच्छता ही सेवा अभियान का प्रारंभ किया गया है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में गुजरात में यह स्वच्छता अभियान 17 सितंबर से शुरू होकर 31 अक्टूबर यानी सरदार पटेल जयंती तक चलेगा। मुख्यमंत्री ने इस स्वच्छता अभियान के अंतर्गत राज्य के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जनभागीदारी से स्वच्छता-सफाई का जन आंदोलन शुरू करने का आह्वान किया है।

नगरों और महानगरों के भारी यातायात वाले क्षेत्रों तथा व्यावसायिक इलाकों में रात्रि सफाई का दृष्टिकोण अपनाकर इस स्वच्छता अभियान को और अधिक तेजी देने की मंशा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने पांच श्रेष्ठ सफाई मित्रों को प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में 10-10 हजार रुपए के चेक और पौष्टिक आहार की राशन किट का वितरण भी किया। रात्रि सफाई अभियान में गांधीनगर की विधायक श्रीमती रीटाबेन पटेल, महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल, मनपा की विभिन्न समितियों के पदाधिकारी, शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव आश्विनी कुमार और मनपा आयुक्त जे.एन. वाघेला सहित कई अधिकारी शामिल हुए।

अहमदाबाद मंडल के सभी स्टेशनों पर क्यूआर कोड से भुगतान की सुविधा

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लगातार नवाचार किए जा रहे है। मण्डल लगातार डिजिटललाइजेशन की ओर कदम बढ़ा रहा है तथा अपने यात्रियों की सुचारू और अधिक कुशल सेवा सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है। इसी कड़ी में मंडल द्वारा कैशलेस भुगतान को बढ़ावा देने उद्देश्य से अहम कदम उठाए हुए अहमदाबाद मण्डल के सभी आरक्षित और अनारक्षित टिकट काउन्टरों पर क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान की सुविधा उपलब्ध कारवाई गई, जिससे मण्डल पर15अगस्त से 16 सितंबर 2024 तक क्यूआर कोड के माध्यम से आरक्षित टिकट किराया भुगतान में तीन गुना और अनारक्षित टिकट किराया भुगतान में डेढ़ गुना की बढ़ोतरी हुई है।

इस नई पहल के तहत पूर्व में अहमदाबाद मण्डल के अहमदाबाद, मणीनगर, असारवा, साबरमती तथा सरदारग्राम स्टेशनों के सभी आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट काउंटरों पर क्यूआर कोड के माध्यम से रेल टिकट का भुगतान स्वीकार करने की सुविधा उपलब्ध कारवाई गई। जिसे आगे बढ़ाते हुए मण्डल के सभी आरक्षित और अनारक्षित टिकट काउन्टरों पर यह सुविधा शुरू की गई जिससे यात्रियों को छुट्टे पैसे नहीं होने पर टिकट किराया भुगतान करने पर होने वाली परेशानी से निजात मिली है।

रेल यात्रियों को अब टिकट किराया भुगतान करने के लिए यूटीएस मोबाइल एप, एटीवीएम, पीओएस और यूपीआई जैसे डिजिटल भुगतान के विभिन्न विकल्प पहले से ही उपलब्ध हैं। इस प्रकार की डिजिटल भुगतान प्रणाली को अधिक उपयोगी और सुगम बनाने के उद्देश्य से अहमदाबाद मण्डल ने इसका विस्तार किया है। यह नई डिजिटल भुगतान प्रणाली " कोड के माध्यम से टिकट किराया भुगतान करने के लिए यात्रियों को अब अधिक सुगमता प्रदान करेगी। इसके माध्यम से कोई भी यात्री बिना किसी परेशानी के और सुचारू रूप से अपना टिकट किराया भुगतान खुद कर सकता है।

यह प्रयास रेल यात्रियों को अधिक सुविधाजनक और सुगम यात्रा का अनुभव कराने के लिए एक प्रोत्साहन है और इसके माध्यम से डिजिटल भुगतान के लिए सरल और सुरक्षित विकल्प प्रदान किए जा रहे हैं।

"AI का दौर भी प्रेम की सार्थकता को नहीं बदल सकता : राजीव सिद्धार्थ

राजीव सिद्धार्थ ने 2007 की फिल्म 'दिल दोस्ती ें' से अपने करियर की शुरुआत की और आज वो सिनेमा, टेलीविजन और वेब शोज की दुनिया में अपनी भूमिकाओं से धूम मचा रहे हैं । वह ज़ी थियेटर के टेलीप्ले 'लव' में भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जो जॉर्ज बर्नार्ड शॉ के क्लासिक नाटक 'पिग्मालियन' का एक आधुनिक रूपांतरण है। राजीव के दिल में थियेटर के लिए एक विशेष स्थान है और उन्होंने लिलेट दुबे के निर्देशन में 'आधे अधूरे' और 'ऑगस्ट ओसाज काउंटी' जैसे नाटकों में भी अभिनय किया है।

'लव ' उस दौर की कहानी है जहाँ विज्ञान जीवन के हर हिस्से पर हावी है. एक युवा वैज्ञानिक एक ऐसा रोबोट विकसित करता है जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस **(AI)** है, ताकि वो अपनी मां को यह विश्वास दिला सके कि उसे अपनी जीवन संगिनी मिल गयी है यह टेलीप्ले दिखाता है कि विज्ञान कैसे मानवी संबंधों पर अपना प्रभाव डाल रहा है।

'लव' का रूपांतरण इति अग्रवाल द्वारा किया गया है और इसमें युकी एलियास, शिवम पाटिल, सोनाली सचदेव,पायल नायर, नंदिनी सेन, प्रीति श्रॉफ और सुहानी गांधी भी हैं। इसे करण तलवार ने फिल्माया है और इसे 23 सितंबर को डिश टीवी रंगमंच एक्टिव, 3-2 रंगमंच एक्टिव और एयरटेल स्पॉटलाइट पर देखा जा सकता है।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने उप राष्ट्रपति को भावपूर्ण विदाई दी

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्यपाल आचार्य देवव्रत एवं मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को गुजरात यात्रा पर आए उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर भावपूर्ण विदाई दी। जगदीप धनखड़ भारत सरकार द्वारा आयोजित आरई-इन्वेस्ट समिट 2024 के समापन समारोह में सभागी होने के लिए गुजरात पधारे थे। वे अपनी एक दिवसीय गुजरात यात्रा कर बुधवार दोपहर दिल्ली के लिए रवाना हुए। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा केन्द्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने भावपूर्ण विदाई दी। इस अवसर पर राज्य के प्रोटोकॉल मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद शहर की महापौर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन,राज्यके मुख्य सचिव राज कुमार, अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त जी. एस. मलिक, अहमदाबाद जिला कलेक्टर सुश्री प्रवीणा डी. के., उप मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी संकेत सिंह तथा वरिष्ठ अधिकारियों व अफसरों नेभी उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ को भावपूर्ण विदाई दी।

एचडीएफसी बैंक ने 11000 से अधिक छात्रों और शिक्षकों को सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग प्रथाओं पर शिक्षित किया

अहमदाबाद, 17 सितंबर, 2024: देश के शीर्ष निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने 11000 से अधिक छात्रों और शिक्षकों को सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग प्रथाओं पर शिक्षित करने के लिए 150 से अधिक कार्यशालाएं आयोजित की हैं। बैंक ने 4से 10 सितंबर तक शिक्षक दिवस के अवसर पर इस विशेष सुरक्षित बैंकिंग कार्यशाला का आयोजन किया।

छात्रों, शिक्षकों और स्कूल कर्मचारियों के लिए सुरक्षित बैंकिंग सत्र आयोजित करने के लिए बैंक पूरे भारत में स्कूलों/कॉलेजों/शैक्षिक संस्थानों तक पहुंचा। इस इंटरैक्टिव सत्र के माध्यम से, प्रतिभागियों ने सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग प्रथाओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की ताकि वे साइबर धोखाधड़ी का शिकार न बनें।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को जीवंत उदाहरणों, कहानियों, किंवदंतियों और वीडियो की मदद से धोखेबाजों के विभिन्न तरीकों के बारे में समझाया गया। एचडीएफसी बैंक ने सुरक्षित बैंकिंग पहल के तहत पिछले चार वर्षों में विभिन्न स्थानों पर साइबर धोखाधड़ी जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की हैं।

एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष, क्रेडिट इंटेलिजेंस एंड कंट्रोल, श्री मनीष अग्रवाल ने कहा, ठआज के डिजिटल युग में, युवाओं और शिक्षकों को ऑनलाइन दुनिया में सुरक्षा प्रदान करने के लिए ज्ञान से लैस करना आवश्यक है। जागरूकता की कमी लोगों को परेशान करती है।ठ इसलिए, इस मुद्दे पर जागरूकता पैदा करना आवश्यक है, ताकि वे अपनी गोपनीय बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करें और अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, जिसके परिणामस्वरूप वे अपने परिवार को बेहतर ढंग से शिक्षित कर सकें और दोस्तों और इस प्रकार के ऑनलाइन घोटालों का शिकार होने से बचें।

बैंक अपने ग्राहकों को सुरक्षित बैंकिंग आदतें अपनाने और डिजिटल रूप से लेनदेन करते समय सावधानी बरतने के लिए प्रोत्साहित करता है, और गोपनीय बैंकिंग जानकारी किसी के साथ साझा न करने की सलाह देता है। यदि ग्राहक किसी भी प्रकार के ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार होते हैं, तो उन्हें तुरंत बैंक को धोखाधड़ी की सूचना देनी चाहिए और भविष्य में भारी नुकसान से बचने के लिए भुगतान और खाते को तुरंत ब्लॉक करने का आदेश देना चाहिए। ग्राहक गृह मंत्रालय द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 1930 पर भी कॉल कर सकते हैं और राष्ट्रीय साइबर क्राइम वेबसाइट **https://cybercrime.gov.in** पर भी शिकायत कर सकते हैं।

दो शख्सों ने नाबालिग लड़की को बनाया हवस का शिकार, गर्भ रहने से मामला आया सामने

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के सोला क्षेत्र में रहनेवाली एक नाबालिग लड़की के साथ दो शख्सों द्वारा दुष्कर्म किए जाने की घटना सामने आई हैं यह मामला उस समय सामने आया जब पीड़िता को पेट दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया जहां जांच पता चला कि वह गर्भवती है, यह सुनकर माता-पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई मामला पुलिस थाने पहुंचा और पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर एक को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे की तलाश जारी हैं जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के सोला क्षेत्र में रहनेवाली राजस्थान मूल की 14 वर्षीय किशोरी कक्षा 10 में पढ़ाई करती हैं हाल ही में किशोरी को पेट दर्द की शिकायत के बाद माता-पिता उसे सोला सिविल अस्पताल ले गए थें जहां मेडिकल जांच के दौरान पीड़िता गर्भवती होने का खुलासा हुआ डॉक्टर की यह बात सुनकर माता-चौंक उठे और बेटी से इस बारे में पूछताछ की

'श्वेत क्रांति' और 'मधु क्रांति' के बाद, गुजरात अब 'सौर क्रांति' का गवाह बन रहा है: पीएम श्री नरेंद्र मोदी

गांधीनगर, 16 सितंबर, 2024 – ''यह एक सुखद संयोग था कि गुजरात जिसने श्वेत क्रांति, मधु (शहद) क्रांति की शुरूआतदेखी है, अब चौथे ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एंड एक्सपो के आयोजन के साथ सौर क्रांति देख रहा है। गुजरात भारत का पहला राज्य था जिसकी अपनी सौर नीति थी, इसके बाद सौर ऊर्जा पर राष्ट्रीय नीतियां बनाई गईं। जलवायु के मामलों से संबंधित मंत्रालय स्थापित करने में गुजरात दुनिया भर में सबसे आगे रहनेवालों में से एक था।''

ये गुजरात की कई उपलब्धियों में से कुछ थीं जिन्हें माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात के गांधीनगर के महात्मा मंदिर में चौथे ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एंड एक्सपो **(RE-INVEST)** में गर्व से गिनाया। यह 3 दिवसीय शिखर सम्मेलन भारत की 200 गिगावॉट से अधिक स्थापित गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता की उल्लेखनीय उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदानकर्ताओं का सम्मान करता है। श्री मोदी ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों, स्टार्ट-अप और उद्योग की प्रमुख कंपनीओं के अत्याधुनिक नवाचारों को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल, श्री आचार्य देवव्रत, गुजरात के मुख्यमंत्री, श्री भूपेन्द्र पटेल, केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, श्री प्रह्लाद जोशी, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गोवा के मुख्यमंत्री सहित अन्य उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए, प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ''ग्रीन फ्यूचर, नेट ज़ीरो जैसे शब्द फैंसी शब्द नहीं थे, बल्कि केंद्र और भारत की प्रत्येक राज्य सरकार की ज़रूरतें और प्रतिबद्धताएं हैं। आज का भारत आज के लिए ही नहीं बल्कि अगले हज़ार वर्षों के लिए आधार तैयार कर रहा है। भारत ने सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, परमाणु और हाइड्रो पावर जैसे नवीकरणीय ऊर्जा के आधार पर अपना भविष्य बनाने का फैसला किया था, क्योंकि तेल-गैस के भंडार की कमी थी। भारत के पहले सौर गांव 'मोढेरा', जहां एक सदियों पुराना सूर्य मंदिर भी है, के बारे में प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने बताया कि आज, गांव की सभी जरूरतें सौर ऊर्जा से पूरी होती हैं। उन्होंने कहा कि आज देशभर में ऐसे कई गांवों को सोलर विलेज में बदलने का अभियान चल रहा है।

उन्होंने क